News सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-296

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

तथ्यों को साकार किया जा सकता है। लेकिन कल्पना कभी झूठ नहीं बोलती।

- वी. एस. नायपॉली

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 29 जनवरी 2024

कर्नाटक के पटाखा फैक्ट्री में जोरदार ब्लास्ट

3 लोगों की मौत, कई गंभीर रूप से घायल

मैंगलोर। कर्नाटक के एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण हादसा हो गया, जिसमें कई लोग हताहत हुए और जानें भी गईं. प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण कर्नाटक के बेलतांगड़ी के कुक्केडी गांव में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया. विस्फोट इतना भीषण था कि हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए. यह हादसा रविवार की शाम को हुआ. विस्फोट भयानक था, जिसकी आवाज कई मील दूर तक सुनाई दी. फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह पटाखा की फैक्ट्री वेनूर पुलिस स्टेशन के तहत गोलियांगडी के पास कल्लाजे में स्थित है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो धमाके की आवाज 4 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास के लोग दहल गए. जानकारी मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड बल तुरंत मौके पर पहुंचा. समाचार एजेंसी एएनआई ने दक्षिण कन्नड़ पुलिस अधीक्षक सीबी ऋषियंत के हवाले से बताया है कि मरने वालों की पहचान वर्गीस (62), स्वामी (60) और चेतन (24) के रूप में हुई है. पुलिस ने कहा है कि वह मामले की जांच करेगी और विस्फोट के कारणों का पता लगाएगी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में 7वीं बार परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बच्चों से बात कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि मैंने अभी बच्चों की एग्जीबिशन देखी। वो इतनी अच्छी थी कि मुझे 5-6 घंटे लग जाते। बच्चों से पीएम ने ये भी कहा कि आप लोग जिस जगह (भारत मंडपम, प्रगति मैदान) बैठे हुए हैं, वहां दुनिया के दिग्गज नेता चर्चा कर चुके हैं। इस इवेंट में PM के साथ करीब 3000 स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 2 स्टूडेंट्स और एक टीचर इस इवेंट में ऑनलाइन जुड़े हैं। इसके अलावा देश के 100 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों के बच्चे भी इवेंट में शामिल हुए हैं। पीएम ने कहा, कभी पिता बच्चों को बोलते रहते हैं, पिता चुप हो जाते हैं तो मां बोलने लगती हैं। फिर बड़ा भाई बोलने लगता है। कई बच्चे इसे सकारात्मक लेते हैं। लेकिन माता-पिता को ज्यादा समझाने से बचना चाहिए। इससे भी दबाव पड़ता है। दबाव तो आता रहता है। इसे झेलने के लिए खुद को तैयार करना जरूरी है। पीएम मोदी ने बताया कि एक दबाव होता है जो खुद ने ही अपने लिए तैयार किया जाता है। यह दबाव आप खुद ही अनुभव करते हैं। हमें खुद को इतना स्ट्रैच नहीं करना चाहिए कि खुद की स्टेबिलिटी टूट जाए।

कर्नाटक में 108 फीट ऊंचा हनुमान ध्वज हटाने पर विवाद

भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया; सीएम बोले- मंदिर में ध्वज लगाएं, हम सपोर्ट करेंगे

कर्नाटक के मांड्या के केरागोडु गांव में रविवार (28 जनवरी) को पुलिस अधिकारियों ने 108 फीट ऊंचे हनुमान ध्वज को हटा दिया। इसके बाद यहां विवाद हो गया। दरअसल, पिछले हफ्ते ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत से परमिशन लेकर यह हनुमान ध्वज फहराया था। बाद में इसके खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई और प्रशासन ने पुलिस को ध्वज निकालने का आदेश दिया। प्रशासन के इस आदेश से नाराज ग्रामीणों ने पहले तो शनिवार (27 जनवरी) को अपनी दुकानें बंद रखीं, लेकिन जब रविवार को पुलिस ध्वज निकालने पहुंची तो मामला गर्मा गया। लोग पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन में भाजपा और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी शामिल हो गए। इस दौरान गुस्साए लोगों ने स्थानीय कांग्रेस विधायक रवि कुमार के बैनर तोड़ दिए और उनके खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद प्रशासन ने गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया। इसके बाद पुलिस ने पोल से हनुमान ध्वज हटाकर वहां तिरंगा लगा दिया। वहीं गांव में धारा 144 लगा दी गई। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जहां तिरंगा फहराया जाता हो, वहां भगवा झंडा फहराना नियमों के खिलाफ है।

कालकाजी मंदिर में मंच गिरने की घटना पर बोले बी प्राक

मैंने भीड़ को समझाने की कोशिश की लेकिन...

नेशनल डेस्क- मशहूर गायक बी प्राक ने कहा कि दिल्ली में कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाए गए मंच के ढह जाने से वह ''निराश हैं। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात करीब 12.30 बजे हुई इस दुखद घटना में 45 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। शनिवार को कालकाजी मंदिर के महंत परिषर में आयोजित जागरण में लगभग 1,600 लोग शामिल हुए थे। कार्यक्रम में गायक बी प्राक ने प्रस्तुति दी। उन्होंने घटना के तुरंत बाद अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश साझा किया।

मैं बहुत दुखी और निराश हूं

बी प्राक ने कहा, ''मैं बहुत दुखी और निराश हूं। ऐसा पहली बार है कि जहां मैं प्रस्तुति दे रहा था वहां ऐसा हुआ...मां कालकाजी मंदिर में। मैं उम्मीद करता हूं कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएंगे। गायक ने कहा कि जीवन से अधिक मूल्यवान कुछ भी नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की लेकिन भक्तों की भावनाएं चरम पर थीं। उन्होंने कहा कि प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने भीड़ को समझाने की कोशिश की और उन्हें पीछे हटने के लिए कहा, लेकिन यह देवी मां और मेरे लिए आपका प्यार है... लेकिन हमें अब से बहुत सावधान रहना होगा और बच्चों, बुजुर्गों और बाकी सभी का बहुत ख्याल रखना होगा। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने बताया, कार्यक्रम के लिए कोई पूर्व अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त कर्मी तैनात किए गए थे। आयोजकों और अति विशिष्ट लोगों के परिवारों के लिए मुख्य मंच के पास लोहे के फ्रेम के सहारे लकड़ी का ऊंचा मंच बनाया गया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लगभग 12.30 बजे यह मंच ढह गया।

अब एयरपोर्ट पर भी छा रही भारतीय कला

सिंधिया बोले- आधुनिक स्वरूप देने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के एयरपोर्ट पर हो रहे बदलावों के बारे में खुलकर बात की। सिंधिया ने कहा कि देशभर में अब हमारे हवाई अड्डों को एक आधुनिक स्वरूप देने की कोशिश की जा रही है। सिंधिया ने कहा कि देशभर के एयरपोर्ट को वास्तुकला का एक आधुनिक स्वरूप देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही अब भारतीय कला को भी सामने लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में एयरपोर्ट को राम मंदिर के रूप में बनाया गया है। एयरपोर्ट के अंदर भगवान राम के मार्ग और उनकी यात्रा को कई कला रूपों में प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि तिरुचिरापल्ली में भी इसी तरह रंगनाथ स्वामी मंदिर को चित्रित किया गया है। यह उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक मंच प्रदान करता है।

पाला बदलने पर नीतीश कुमार पर जमकर बरसे संजय राउत

अयोध्या में राम आए, बिहार में पलटूराम

जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने रविवार को एक बार फिर से पाला बदल लिया है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्हें 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) और 'महागठबंधन में ''स्थिति ठीक नहीं लग रही थी। ऐसे में उन्होंने भाजपा के साथ नया गठबंधन और नई सरकार बनाने का फैसला लिया है। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद उनके पूर्व सहयोगी तिलमिलाए हुए हैं और हमलावर हैं। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि अयोध्या में राम आए, बिहार में पलटूराम। संजय राउत ने कहा, नीतीश कुमार के हमसे दूर जाने से बिहार की राजनीति पर कोई फर्क पड़ेगा, मुझे ऐसा नहीं लगता। कांग्रेस, तेजस्वी यादव और अन्य छोटे दलों का साथ है। आम आदमी पार्टी की बात करें तो दिल्ली में कांग्रेस उसके बीच सहमति बन चुकी है। जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। राउत ने कहा, इंडिया ब्लॉक की स्थिति उत्तम है। ममता बनर्जी अभी बाहर नहीं हुई हैं। नीतीश कुमार का यह खेल चलता रहता है। उनका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

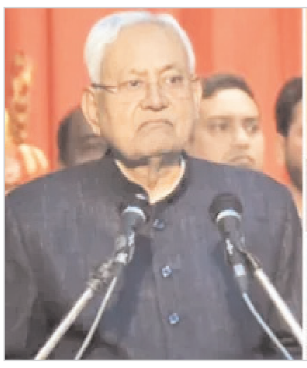

कई लोग आया राम गया राम हैं- खरगे

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में (जद यू) और उसके शीर्ष नेतृत्व पर 'महागठबंधन से अलग होने और राज्य में नई सरकार के गठन के लिए बीजेपी में फिर से शामिल होने पर निशाना साधा और कहा कि इसका अंदेश पहले ही था। खरगे ने साथ ही कहा कि देश में ऐसे कई लोग हैं जो ''आया राम गया राम हैं। खरगे ने कहा कि उन्हें पांच दिन पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने जद (यू) के महागठबंधन से बाहर निकलने की योजना के बारे में जानकारी दी थी और तमाम प्रयास किए गए लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी अलग हो गई।

झारखंड सीएम के दिल्ली आवास पर ईडी का छापा, क्या आज गिरफ्तार होंगे हेमंत सोरेन

एजेंसी, नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय की टीम सोमवार सुबह उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। यहां छापा मारा गया है। ईडी की टीम के साथ दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल भी है। आशंका जताई जा रही है कि आज सोरेन को गिरफ्तार कर लिया जा सकता है।

राम मंदिर की सुरक्षा में इजरायल का एंटी ड्रोन सिस्टम होगा तैनात, हवा में दुश्मनों का कर देगा खात्मा

नई दिल्ली । अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर कड़ी व्यवस्था की जा रही है. इस बीच पुलिस सूत्रों ने बताया कि इजराइल निर्मित एंटी-ड्रोन सिस्टम को जल्द ही उत्तर प्रदेश में कुछ अन्य शीर्ष महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के साथ-साथ अयोध्या राम मंदिर की सुरक्षा के लिए तैनात किया जा सकता है. यूपी पुलिस ने इसकी खरीद की प्रक्रिया भी पूरी कर ली है और उम्मीद है कि यह जल्द ही नई टेक्नोलॉजी का हिस्सा बन जाएंगे, जो पहले से ही देश के सबसे बड़े पुलिस बल द्वारा उपयोग में हैं.

पहली बार ऐसी टेक्नोलॉजी खरीदेगी यूपी पुलिस

यह पहली बार है कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा एंटी-ड्रोन तकनीक खरीदी जा रही है. हाल ही में अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान और अन्य अवसरों पर, पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) या अन्य सुरक्षा बलों से उधार ली गई एंटी-ड्रोन प्रणालियों का इस्तेमाल किया. इजरायल में निर्मित इन एंटी-ड्रोन सिस्टम की अलग-अलग टेस्टिंग करने के बाद इसे खरीदने का फैसला किया गया है.

हवा में दुश्मनों का कर देगा खात्मा

यह ड्रोन सिस्टम न केवल 3-5 किलोमीटर के दायरे में किसी भी ड्रोन का पता लगाएगा, बल्कि अपने रडार में दुश्मन के किसी भी ड्रोन को निष्क्रिय करने की क्षमता भी रखेगा. टेक्नोलॉजी की जानकारी रखने वाले अधिकारी ने बताया, 'खतरे के आकलन के आधार पर, ये सिस्टम पुलिस को विभिन्न स्थितियों में उचित निर्णय लेने की अनुमति देंगे. जिनमें से एक है सॉफ्ट किल को अंजाम देना, यानी एक लेजर-आधारित डिस्ट्रॉयर सिस्टम जिसका इस्तेमाल दुश्मन के ड्रोन के खिलाफ किया जा सकता है.

स्नाइपर्स भी किए जाएंगे तैनात

यह तकनीक पुलिस को दुश्मन के ड्रोन को हैक करने और सुरक्षित लैंडिंग निश्चित करने के साथ-साथ दुश्मन के ड्रोन को आत्म-विनाश करने की अनुमति देती है. इन सिस्टम के साथ स्नाइपर्स भी तैनात किए जाएंगे, जिन्हें हार्ड किल का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो लेजर या अन्य टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके दुश्मन के ड्रोनों को मार गिराएंगे.'

यूपी पुलिस खरीदेगी 10 एंटी ड्रोन

इनमें से लगभग 10 एंटी-ड्रोन सिस्टम यूपी पुलिस द्वारा खरीदे जा रहे हैं. अधिकारी ने बताया, 'इन्हें लखनऊ, वाराणसी और मथुरा जैसे राज्य भर के शहरों में संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर और आवश्यकता के आधार पर स्थापित किया जाएगा. प्रक्रिया पूरी हो गई है और हमें उम्मीद है कि उपकरण जल्द ही सौंप दिए जाएंगे.'

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी

अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर में ई-रिक्शा के रूट तय करने को लेकर चालकों में आक्रोश

इंदौर। ट्रैफिक सुधारने के नाम पर जिला प्रशासन ने जो रूट तय करने जा रहा है, उसको लेकर ई रिक्शा चालकों में आक्रोश है। नो बैटरी ऑटो व्हीकल जोन से कई बैटरी चालक के रोजगार छीन जाएंगे। ऐसे में ई- रिक्शा चालक मुख्यमंत्री को बैटरी रिक्शा की चाबी वापस करेंगे उक्त आरोप लगाते हुए इंदौर बैटरी रिक्शा चालक महासंघ के संस्थापक राजेश बिडकर, आदित्य पवार, अर्चना शर्मा ने पत्रकार वार्ता में बताया है कि शहर में ई रिक्शा लॉन्च के दौरान जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि बैटरी ऑटो पूरे शहर में चलेगी। इसके लिए परमिट और रूट की व्यवस्था नहीं थी। परंतु अब नए नियम से बैटरी रिक्शा चालकों का संचालन करना मुश्किल हो जाएगा। इंदौर शहर में 5500 बैटरी ऑटो रिक्शा इंदौर आरटीओ में रजिस्टर्ड है। गरीब लोगों ने इधर-उधर से कर्जा कर स्वयं का रोजगार शुरू किया। परंतु यह रूट का नियम आने के बाद में व्यापार व्यवसाय ठप हो जाएगा। सिर्फ बेटरी रिक्शा पर कार्रवाई बिडकर का कहना है कि रूट तय करने के पहले ई रिक्शा यूनियन को विश्वास में नहीं लिया गया। एक रूट पर 300 गाड़ियां चलेंगी। इससे कई रूट पर आमदनी नहीं होगी, क्योंकि वहां ट्रैफिक नहीं हैं। शहर का यातायात सुगम बनाने के लिए सभी के लिए ट्रैफिक कानून समान हो। यातायात सुधार के नाम पर सिर्फ गरीबों को टारगेट बनाया जा रहा है। जहां एआईसीटीएल की बस ओवरलोड चल रही है इंदौर के ट्रैफिक में व्यवधान पैदा कर रही है, उन पर कार्रवाई की जगह बैटरी ऑटो रिक्शा चालकों को तीन और पांच किलोमीटर का रूट दिया जा रहा है। इस संबंध में ई रिक्शा चालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को सुगनी देवी महाविद्यालय प्रांगण में हुई। जिसमें 7 मांग पर सहमति बनी।

तिल का सेवन कई बीमारियों से है बचाता

इंदौर। आयुर्वेद में तिल का काफी महत्व है। सर्दियों के मौसम में जो सबसे अधिक च्यवनप्राश खाया जाता है, उसमें विशेष रूप से तिल्ली के तेल का प्रयोग किया जाता है। आयुर्वेद में जितनी भी दवाइयां बनाई जाती हैं उनमें तिल्ली के तेल का भी प्रयोग किया जाता है। तिल्ली मुख्य तीन प्रकार की होती है श्वेत, कृष्ण एवं लाल। काले तिलों को अधिक महत्वपूर्ण एवं शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता हैआयुर्वेद विशेषज्ञ डा. अखलेश भार्गव के अनुसार, संक्रांति के अवसर पर जब तापमान में कमी आ जाती है, तो इसके लड्डुओं का प्रयोग पूरे भारतवर्ष में किया जाता है। क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है। तिल प्रकृति से तीखी, मधुर, भारी, स्वादिष्ट, स्निग्ध, गर्म तासीर की, कफ तथा पित्त को कम करने वाली, बलदायक, बालों के लिए हितकारी, स्पर्श में शीतल, त्वचा के लिए लाभकारी, घाव भरने में लाभकारी, दांतों को उत्तम करने वाली होती है। बालों के लिए भी फायदेमंद है तिल बालों का झड़ना, असमय सफेद बाल होना, गंजापन, रूसी की समस्या आदि ऐसी समस्याएं हैं, जिससे अधिकांश लोग परेशान रहते हैं। तिल के तेल का इस्तेमाल इन बीमारियों में बहुत फायदेमंद साबित होता है। काले तिलों का काढ़ा बनाकर उनसे आंखें धोने पर नेत्र की बीमारियों में फायदा मिलता है, तिल को पानी में पीसकर सिर पर लगाने से सिर दर्द कम होता है, प्रतिदिन तिल को चबा-चबा कर खाने से दांत मजबूत होते हैं। यदि किसी को सूखी खांसी आती है तो मिश्री के साथ तिल का प्रयोग करने पर उसमें फायदा मिलता है।

फर्जी वीजा बनाता था ट्रेवल संचालक, यात्रियों को दुबई में फंसाया

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने ट्रेवल संचालक महेंद्रसिंह मंड पर केस दर्ज किया। वो कई दिनों से लापता है। 62 लाख रुपये की धोखाधड़ी में फंसा आरोपित यात्रियों को फर्जी वीजा और टिकट भी बना चुका है। पीड़ितों का आरोप है कि उसका बेटा सेबी भी गिरोह में शामिल है। रुपये मांगने पर बैंक की फर्जी रसीदें बनाई थी। एसआइ देवेंद्र मिश्र के मुताबिक अमृत टूर एंड ट्रेवल (लार्ड कृष्णा अपार्टमेंट) संचालक महेंद्रसिंह मंड के विरुद्ध राजीव जैन निवासी तिलक नगर ने शिकायत दर्ज करवाई थी। राजीव से बात हुई थी कि 80 हजार रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से दुबई टूर करवाएगा। वीजा, टिकट, रुकने की व्यवस्था और खाना-पीना भी इसमें शामिल है। राजीव ने संपर्कों के माध्यम से 165 लोगों की बुकिंग की। इंदौर,अहमदाबाद और उदयपुर के अलग-अलग टूर तैयार किए और मंड को रुपये जमा करवा दिए। आरोपित ने पहले तो दूतावास बंद होने का बहाना बनाया। बाद में फर्जी वीजा और टिकट बना कर दे दिए।काफी दबाव के बाद कुछ लोगों को दुबई भेजा लेकिन बाद में होटल कैंसिल कर दी। यात्रियों ने राजीव जैन की शिकायत की तो उन्होंने कर्जा लेकर टूर करवाया। जैन का आरोप है कि उसने दुबई से काल लगाया तो मंड के बेटे सेबी ने कहा कि उसके पापा आत्महत्या की कोशिश कर चुके हैं। सेबी ने रुपये देने का आश्वासन दिया और बैंक की फर्जी रसीद भी भेज दी। इंदौर आने पर मंड लापता हो गया। उसके स्वजन ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। शनिवार को मामले में एफआइआर दर्ज कर पुलिस ने भी तलाश शुरू कर दी।

नीतीश कुमार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर, कैसे नेता हैं- दिग्विजय सिंह

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह रविवार को इंदौर में थे। नीतीश कुमार को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा कि हमें कभी उम्मीद नहीं थी कि वे ऐसा कदम उठाएंगे। वे साफ शब्दों में कह चुके थे कि किसी हालत में मरते दम तक भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। उन्हीं के द्वारा विपक्षी गठबंधन का प्रयास किया गया। वे संयोजक बनना ही चाहते थे तो बना देते, कोई दिक्कत नहीं थी।उन्होंने कहा कि उन्हें आफर भी किया था, उन्होंने मना कर दिया। फिर इस तरह का कदम उठाने का क्या मतलब। वे डेढ़ वर्ष से भाजपा का सामूहिक विरोध करने की पहल कर रहे थे। यह कैसा नेता जो कहे कुछ, करे कुछ। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अमित शाह ने भी तो कहा था कि नीतीश आना भी चाहेंगे तो नहीं लेंगे, मगर वे उनके साथ हो लिए। लोकसभा का चुनाव लड़ने का प्रश्न नहीं राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में शनिवार को कार्यकर्ताओं की बैठक में दिग्विजय सिंह ने कहा कि मेरे लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रश्न ही नहीं उठता है, क्योंकि मैं राज्यसभा सदस्य हूं और अभी मेरा सवा दो साल का कार्यकाल बचा हुआ है। दिग्विजय सिंह इन दिनों राजगढ़ जिले में पार्टी नेता व कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे हैं। वे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पहुंचकर पार्टीजनों से चर्चा कर रहे हैं। इसके तहत वे खिलचीपुर पहुंचे थे। पत्रकारों ने जब पूछा कि राजगढ़ से लोकसभा का उम्मीदवार कौन होगा, क्या आप? जवाब में सिंह ने इससे इंकार किया।

ए-वन स्टेशन इंदौर में पांच वर्ष पहले बने गार्डन, उजड़ने लगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रतलाम रेल मंडल के ए-वन स्टेशन इंदौर में अफसरों की उदासीनता से पांच साल पहले विकसित किए गए गार्डन उजड़ने लगे हैं। यात्रियों को आकर्षित करने के लिए लगाए गए स्क्रैप से बने स्ट्रैक्चर टूटकर बिखर गए हैं। पैदल पुल पर लगे हैंगिंग गार्डन भी गायब हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि 2019 में तत्कालीन डीआरएम आरएन सुनकर ने नया प्रयोग करते हुए प्लेटफार्म-1, 2 और 3-4 के बीच में फूलदार पौधे लगाकर गार्डन विकसित किए थे। इसके साथ ही यहां स्क्रैप मेटेरियल से बने स्ट्रैक्चर भी लगाए थे।मंडल में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला स्टेशन इंदौर है। इस स्टेशन पर सबसे ज्यादा सुविधाएं हैं। तत्कालीन डीआरएम आरएन सुनकर ने प्लेटफार्म-1 और 4 की खाली जमीन पर फूलदार पौधे लगाएं थे। इसके साथ ही यहां रतलाम डीजल शेड में लोहे के स्क्रैप मटेरियल से सुंदर स्ट्रैक्चर बनवाकर यहां लगाए थे, ताकि प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों को बेहतर महसूस हो सके। इसके अलावा प्लेटफार्म-1 से 4 को जोड़ने वाले पैदल पुल पर हैंगिंग गार्डन विकसित किया था। प्लेटफार्म-4 पर वीआइपी गेट के ठीक सामने फाउंटेन भी बनाया था, जो कई महीनों से बंद पड़ा हुआ है। टूटकर बिखरने लगे स्ट्रैक्चर पांच साल पहले प्लेटफार्म-1 और 4 पर अलग-अलग कलाकृतियों के स्ट्रैक्चर लगाए गए थे, लेकिन देखरेख नहीं होने से यह स्ट्रैक्चर टूटकर बिखरने लगे हैं। डीआरएम ने एक्स पर किया था मैसेज पांच दिसंबर को रतलाम मंडल के डीआरएम रजनीश कुमार ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर मैसेज किया था। इसमें प्लेटफार्म-1 पर बने गार्डन, वर्तमान में झाड़ियों के फोटो डाल कर कैप्शन लिखा था कि आंखों को सुकून देता प्लेटफार्म-1, जबकि यहां गार्डन के फूलदार पौधे, देखभाल नहीं होने से झाड़ियों में बदल गए हैं।

नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए आकार लेने वाला मध्य प्रदेश का पहला आलू क्लस्टर अब तक कागजों में

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जिले की महू तहसील आलू चिप्स के लिए मशहूर हैं। यहां आलू से बनने वाली चिप्स देशभर के साथ ही खाड़ी देशों तक पसंद की जाती है, लेकिन इस सेक्टर के संगठित नहीं होने से अब तक राष्ट्रीय स्तर पर पहचान नहीं मिल पाई है। चार साल पहले प्रशासन ने इस सेक्टर को 'एक जिला एक उत्पाद' कार्यक्रम में भी जोड़ा था, लेकिन इन चार साल में आलू क्लस्टर प्रोजेक्ट कागजों से बाहर नहीं आया। हालांकि गत वर्ष इस क्लस्टर के लिए जमीन की कवायद शुरू हो चुकी है।मानपुर के पास कुआली गांव के नजदीक 25 एकड़ जमीन पर यह प्रोजेक्ट आकार लेगा। हाल ही में इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने 'एक जिला एक उत्पाद' के तहत चिह्नित आलू चिप्स को भी एक्सपोर्ट करने की बात कहीं है। इसके लिए उत्पादन यूनिट बढ़ाने को कहा। बता दे कि महू तहसील में फरवरी से मई के बीच संचालित होने 150 से अधिक कारखाने जमकर प्रदूषण फैलाते है। मानपुर के पास कुवाली में 25 एकड़ जमीन पर बनने वाले क्लस्टर में प्रोसेसिंग यूनिट, स्टोरेज और एक्जीविशन सेंटर सहित मिलेगी। तमाम आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही चिप्स कारखानों से निकलने वाले दूषित पानी से प्रदूषित हो रही नदियों को बचाया जा सकेगा। चिप्स क्लस्टर में इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) प्लांट लगाया जाएगा। यहां दूषित पानी को फिल्टर करने के बाद नदियों में छोड़ा जाएगा। भारत सरकार के माइक्रो स्माल इंटरप्राइजेस क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमएसईसीडीपी) योजना के तहत बनने वाले इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 15 करोड़ रुपये है। जिला उद्योग केंद्र के जीएम एसएस मंडलोई ने बताया कि यह चिप्स क्लस्टर प्रदेश का पहला है। इसमें पहले बिजली, पानी, सड़क आदि मूलभूत सुविधाएं तैयार की जाएगी। इसके बाद चिप्स उत्पादन के दौरान निकलने वाले प्रदूषित जल को साफ करने के इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी), आधुनिक मशीन, प्रोसेसिंग यूनिट, स्टोरेज, एक्जीबिशन सेंटर, आफिस आदि की सुविधाएं भी रहेगी। इसके साथ ही क्लस्टर तैयार होने पर 20 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रोजेक्ट में 60 फीसदी राशि केंद्र तो 40 फीसदी राशि राज्य सरकार वहन करेगी। चिप्स लेकर पशु आहार तक मंडी से खरीदे गए आलू को मशीनों से छिलाई व धुलाई की जाती है। स्लाइजर से कटिंग कर फिर फूड ग्रेड का केमिकल मिलाकर धुलाई कर उबाला जाता है। इसके बाद खुले खेतों में त्रिपालों पर सुखाया जाता है। इसके बाद पैकेजिंग कर सीधे बाजार में उतार दिया जाता है। चिप्स के साथ ही पशु आहार भी बनाया जाता है। साफ पानी हो जाता है काला आलू कटिंग और वाशिंग के दौरान बड़ी मात्रा में स्टार्च निकलता है। 99 फीसदी कारखानों से इस स्टार्च युक्त पानी को नाले में बहा दिया जाता है। नाले के माध्यम से स्टार्च मिला पानी गंभीर नदी में पहुंचता है। जिससे पानी में बीओडी (बायोकेमिकल आक्सीजन डिमांड) और सीओडी (केमिकल आक्सीजन डिमांड) बढ़ जाती है और पानी एसिडिक हो जाता है। जिससे आसपास दुर्गंध बढ़ जाती है। आसपास के जल स्त्रोत का पानी प्रभावित होता है। यहीं पानी आगे यशवंत सागर में मिल जाता है।

बाधा से बढ़ती प्रभु के लिए भक्त की भक्ति - राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भगवत से आत्मशुद्धि हो जाती है। भागवत प्रेम सर्वोपरि है। इससे भगवान के प्रति निरंतर प्रेम बढ़ता जाता है वहीं भक्ति होती है। भगवत प्रेम और कृष्ण प्रेम हर व्यक्ति को होना चाहिए, अगर भक्ति में बाधा आती है तो उतना ही प्रेम बढ़ जाता है। हर व्यक्ति को भगवान की शरण में रहकर ही जीवन जीकर संतों की कृपा प्राप्त होती है। संसार में जो व्यक्ति प्रसन्न है वो स्वार्थ तक ही प्रसन्न रहता है, जहां स्वार्थ खत्म होता है वहां प्रसन्नता खत्म हो जाती है।यह बात राजेंद्रदास महाराज ने अभय प्रशाल में कही। वे सात दिवसीय भागवत कथा में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ज्ञान में कभी कामना नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को भगवान का प्रतिदिन स्मरण कर गुरुओं की सेवा हमेशा करना चाहिए। कपट छोड़कर हर व्यक्ति को भक्ति और नारी का सम्मान करना चाहिए। धर्म का श्रद्धापूर्वक अनुष्ठानकर मानव जीवन को सार्थक करें। मनुष्य को इच्छा करना ही छोड़ देना चाहिए, इच्छाओं पर विराम लगा देना चाहिए। संतों की सेवा, गौ सेवा, माता पिता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। व्यक्ति को धन का सदुपयोग करे। धर्म का फल मोक्ष है, भगवत प्राप्ति है धर्माचरण का फल है अच्छे कर्म में धन का उपयोग करना और अर्थ धर्म के लिए है यह समझना होगा। व्यक्ति के जीवन में राम नाम ही आधार है। कामना की पूर्ति हो जाती है तब तक ही व्यक्ति भक्ति करता है। उसके बाद व्यक्ति भक्ति करना बंद कर देता है लेकिन भक्ति जारी रहना चाहिए, कामना वाली भक्ति निरंतर नही चलती है। पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज ने बताया कि 350 वर्ष प्राचीन खातीपुरा श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में वास्तु पूजन, क्षेत्रपाल मंडल पूजन बीच हुआ। उसके बाद आचार्य श्री विष्णुकांत शास्त्री महाराज के आचार्यत्व में मूर्तियों का अन्नाधिवास, जलाधिवास आचार्यों विद्वानों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। मुख्य यजमान अशोक बिदासरिया ने पूजन अर्चन किया। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में वृंदावन अयोध्या, चित्रकूट सहित देशभर आए साधु संतों और ब्राह्मणों ने कथा का श्रवण किया। जय श्रीराम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। कथा के मंच पर खातीपुरा श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई। कथा सुनने हजारों की संख्या में भक्त उमड़े। कथा में महामंडलेश्वर दीनबंधुदास महाराज, मदनमोहनदास महाराज, शिवरामदास महाराज, गंगादास महाराज, राघवेंद्रदास महाराज, रामगोपालदास महाराज, केदारनाथ महाराज, जानकीवल्लभ दास महाराज सहित बड़ी संख्या में साधु संत मोजूद थे।

तेंदुए को ढूंढने गए वन विभाग के अधिकारी तो मिले श्वान और बिल्ली के निशान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सुपर कारिडोर क्षेत्र में घूम रहे तेंदुए को लेकर लोग डरे हुए हैं। दहशत इस कदर फैल चुकी है कि अब किसी भी जानवर की आहट होने या फिर नजर आने पर वन विभाग को सूचित किया जाता है। वनकर्मी तब ढूंढने के लिए पहुंचते हैं और सर्चिंग करते हैं तो तेंदुए से जुड़ा एक भी प्रमाण नहीं मिलता है। ऐसा ही चार दिनों से हो रहा है। जहां एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर सर्चिंग की गई। हर्षिता कालोनी में श्वान तो टीसीएस में लोगों ने जंगली बिल्ली को देखा। यहां तक कि इनके वीडियो बनाकर वनकर्मियों को भी भेजा गया।सुपर कारिडोर स्थित इन्फोसिस में पहली बार तेंदुए को देखा गया था। यहां पंजों के निशान भी मिले। 16 जनवरी से वन विभाग सर्चिंग करने में लगा है। टिगरिया बादशाह के खेतों में शावकों के पगमार्क मिले। इसके बाद कहीं भी तेंदुए और शावकों से जुड़े कोई प्रमाण नहीं मिला है, जबकि वनकर्मियों ने दिलीप नगर, सार्थक कालोनी, नैनोद गांव, गांधी नगर सहित अन्य क्षेत्रों में तेंदुए को ढूंढा गया है। यहां तक कि इन्फोसिस, सार्थक कालोनी और टिगरिया बादशाह के खेतों में पिंजरा लगाने के बावजूद तेंदुआ कैद नहीं हो पाया। कई फर्जी वीडियो चल रहे डीएफओ महेंद्रसिंह सोलंकी ने एक्शन फोर्स बनाई है, जिसमें इंदौर, महू और मानपुर में पदस्थ वनकर्मियों को रखा है। साथ ही रेस्क्यू टीम को जिम्मेदारी सौंपी है। गुरुवार से लेकर रविवार तक सुबह और शाम को सुपर कारिडोर के दायरे में आने वाली आधा दर्जन कालोनियों में टीम गश्त कर चुकी है। वनकर्मी के मुताबिक क्षेत्र में तेंदुए की दहशत काफी है। शनिवार को गांधी नगर में तेंदुए को सर्चिंग करने पहुंचे तो श्वान के पैरों के निशान मिले। यहां तक कि टीसीएस के बाद लोगों ने बिल्ली का वीडियो बनाया, फिर उन्हें बताया कि यह जंगली बिल्ली है जो थोड़ी बड़ी रहती है। तेंदुए की दहशत को लेकर कलेक्टर आशीष सिंह ने भी डीएफओ से घटना के बारे में जानकारी ली है।

संकष्टी चतुर्थी पर इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में आस्था का सैलाब

सवा लाख लड्डूओं का भोग लगेगा

सिटी चीफ इंदौर।

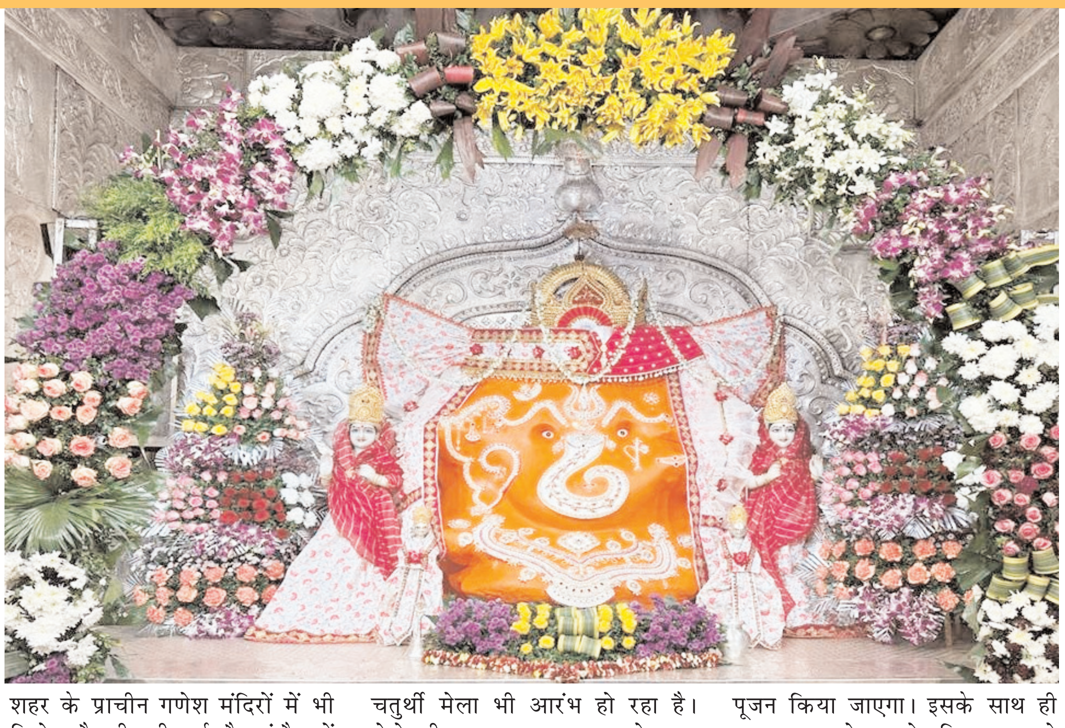

इंदौर। मंगल कामना और संकट के नाश के लिए आज सोमवार को चतुर्थी का व्रत किया जा रहा है। माघ मास के कृष्ण पक्ष की संकष्ट चतुर्थी के नाम से मनाई जाती है। विघ्नों का नाश करने वाले भगवान गणेश से अपने संकट का अंत करने करने के लिए भक्त इस दिन निर्जला व्रत रखते हैं।पति व संतान की दीर्घ आयु के लिए व्रत पति व संतान की दीर्घ आयु और उनके संकटों का नाश करने के लिए महिलाएं व्रत करती हैं और चंद्रोदय होने पर चांद को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का पारणा करती हैं। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश के दर्शनों के लिए देर रात से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। सूर्योदय से निर्जला व्रत महिलाएं सूर्योदय से निर्जला व्रत रखेंगी जो उदित होते चंद्रमा की पूजा के बाद पूरा होगा। इस दिन गणेशजी को तिल-गुड़ अर्पित किया जाता है इसलिए इसे तिल चतुर्थी भी कहा जाता है। शहर में चंद्रोदय रात 9.10 बजे होगा। संकष्ट चतुर्थी के लिए शहर के प्राचीन गणेश मंदिरों में भी विशेष तैयारी की गई है। इंदौर में तिल चतुर्थी मेला खजराना गणेश मंदिर में आज से तीन दिवसीय तिल चतुर्थी मेला भी आरंभ हो रहा है। मेले की शुरुआत सुबह 10 बजे ध्वज पूजन के साथ होगी। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा मंदिर में ध्वज पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही खजराना गणेश को तिल-गुड़ से निर्मित सवा लाख लड्डुओं का भोग भी लगाया जाएगा। ध्वज पूजन के बाद भक्तों को यह लड्डू प्रसाद वितरित किया जाएगा। खजराना गणेश को स्वर्ण मुकुट धारण कराया जाएगा खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक भट्ट बताते हैं कि इस पर्व पर भगवान गणेश, रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ को मोती जड़ित पोषाक पहनाई जाएगी। इन विग्रह को स्वर्ण मुकुट धारण कराया जाएगा। इसके अलावा गणेशजी को स्वर्ण चंद्रिका, स्वर्ण छत्र, स्वर्ण तिलक भी लगाया जाएगा। बड़ा गणपति मंदिर में भी आयोजन बड़ा गणपति मंदिर के पुजारी धनेश्वर दधीच के अनुसार मंदिर में सुबह नौ बजे से अनुष्ठान आरंभ होगा, जो पूरे दिन जारी रहेगा। इस दिन व्रत करने से भगवान गणेश संकट का नाश कर देते हैं। इस दिन गणेशजी को तिल-गुड़ के लड्डू का भोग लगाने का भी विधान है। मान्यता है कि इस दिन तिल-गुड़ गणेशजी को अर्पित करने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं। जो व्यक्ति किसी कारण से व्रत नहीं कर सकते वे गणेशजी का पूजन और दर्शन करके भी उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

भगवान बुद्ध ने शांति का संदेश दिया पूरी दुनिया में शांति के दीपक जलते रहे

सिटी चीफ भोपाल। भारत और थाईलैंड का सदियों से धर्म का अटूट रिश्ता रहा है। मप्र की धरती सांची में सम्राट अशोक ने स्तूप बनवाया, जो बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र है। भारत के सांची, गया, वाराणासी, खुशीनगर, सारनाथ, धर्मशाला में बड़ी संख्या थाईलैंड से बड़ी संख्या में बुद्धिस्ट आते हैं। चीन, श्रीलंका सहित अन्य देशों से भी बड़ी संख्या में भारत में बौद्ध धर्मगुरु आते हैं, यहां बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। भगवान बुद्ध ने दुनिया में शांति का संदेश दिया। हम बौद्ध धर्म गुरु, बौद्ध भिक्षु मानव जाति को शांति का संदेश देने का काम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में शांति के दीपक जलते रहे। सभी प्रेम व सद्भाव से रहे। यह बात नवदुनिया से शहर के चूनाभट्टी बौद्ध विहार में आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में थाईलैंड से आए प्रमुख-वट थाई सीरी राजगीर फ्रा विधेश वच्छिरामेथी अचान विच्छीअन ने कही। उन्होंने कहा कि मप्र की धरती पर आकर अच्छा लगा। बौद्ध धर्म के अनुयायियों से सवांद किया। बौद्ध धर्म और बौद्ध कला भारत की सांस्कृतिक विरासत है। इसके होने से ही भारत का सुंदर इतिहास है, जो सदियों से संजोते आ रहे हैं। भगवान बुद्ध इस संपूर्ण एशिया के ज्ञान भंडार के प्रकाश पुंज कहे जाते हैं। ऐतिहासिक काल में राजाओं ने अपने अपने तरीकों से इस धर्म व कला को प्रचारित प्रसारित किया। इस तरह इस पवित्र कला व धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हुए इस समय में भी बौद्ध कला से प्रेरणा लेकर भारतीय कला ही नहीं, अपितु विश्व की कलाएं आगे बढ़ रही हैं। नित नए शोध इस कला पर हो रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।महोत्सव में देश-विदेश से 12 सदस्यीय बौद्ध धर्मगुरु सहित बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षु शामिल हुए। महोत्सव की शुरुआत से पहले सभी ने बौद्ध विहार में स्थापित 25 फीट ऊंची भगवान बुद्ध की मूर्ति के समक्ष पहुंचे। देश-दुनिया में शांति की कामना की। ओरियंट स्टडीज सोसाइटी आफ श्रीलंका के भदंत गिरिमंद महाथेरो, भूटान से लामा पेमा वांगयेल, विश्व शांति संस्थान संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, श्रीलंका, थाईलैंड से आए बौद्ध धर्मगुरुओं ने भारत की प्रशंसा की। कार्यक्रम मुख्य संयोजक भंते शक्यापुत्र सागर थेरो ने कहा राजनीति में धर्म होना चाहिए देश का कल्याण होगा, पर धर्म में कभी भी राजनीति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा धर्म का विनाश होगा। वे लोग महान होते हैं, जो धंधे में भी धर्म करते हैं और उससे बड़ा पापी कौन जो धर्म में भी धंधे करते हैं। दुनिया में सच्चा कार्यकर्ता वही होता है जिसका कार्य तो करता है, लेकिन दिखाता नहीं है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय व अधिकारिता रामदास आठवले, मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष तपन भौमिक, भाजप प्रदेश संगठन मंत्री राहुल कोठारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सहित बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायी पहुंचे। सभी ने देश-विदेश से आए बौद्ध धर्मगुरुओं से आशीर्वाद लिया।

इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बीएससी की छात्रा से दोस्ती बढ़ाई, फिर में होटल में किया दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल। एमपी नगर पुलिस ने बीएससी की एक छात्रा की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है।आरोपित करीब डेढ़ साल तक छात्रा का शोषण करता रहा और जब उसने शादी के लिए दबाव डाला तो इंकार कर दिया। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक 21 वर्षीय युवती बीएससी की पढ़ाई कर रही है। करीब दो साल पहले इंटरनेट मीडिया के माध्यम इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी पहचान निहाल नामक युवक से हुई थी। निहाल शाहपुरा में रहता है और पढ़ाई करता है। दोस्ती होने के बाद अक्टूबर 2022 में निहाल छात्रा को घुमाने के बहाने एमपी नगर स्थित एक होटल लेकर पहुंचा, जहां उसने जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद जल्द ही शादी करने का झांसा देकर वह उसका शारीरिक शोषण करने लगा। युवती जब भी शादी करने की बात कहती तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर उसे टाल देता था। पिछले दिनों पीड़िता ने जब शादी के लिए दबाव डाला तो निहाल ने साफ इंकार कर दिया। उसके बाद छात्रा ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

पीएम मोदी की परीक्षा पे चर्चा में शामिल होंगे भोपाल के दो विद्यार्थी और एक शिक्षक

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मध्यप्रदेश और सीबीएसई बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं फरवरी माह शुरू होने वाली है। ऐसे में हर साल नई दिल्ली में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसमें देश भर के विद्यार्थियों से सवाल मंगाए जाते हैं और इनमें से बेस्ट सवालों का चयन किया जाता है। इस दौरान चयनित विद्यार्थियों को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछने मौका मिलता है। इसमें हर राज्य से तीन या पांच बच्चों का चयन होता है, जिन्हें दिल्ली बुलाया जाता है। प्रदेश से करीब तीन और जिले से दो विद्यार्थी और एक शिक्षिका का चयन परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के लिए किया गया है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश से करीब 20 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। बता दें कि 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर नई दिल्ली में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में देश भर से करीब 800 विद्यार्थी शामिल होंगे।

लोकरंग समारोह में दोपहर दो बजे से बुल्गारिया के कलाकारों की नृत्य प्रस्तुति होगी

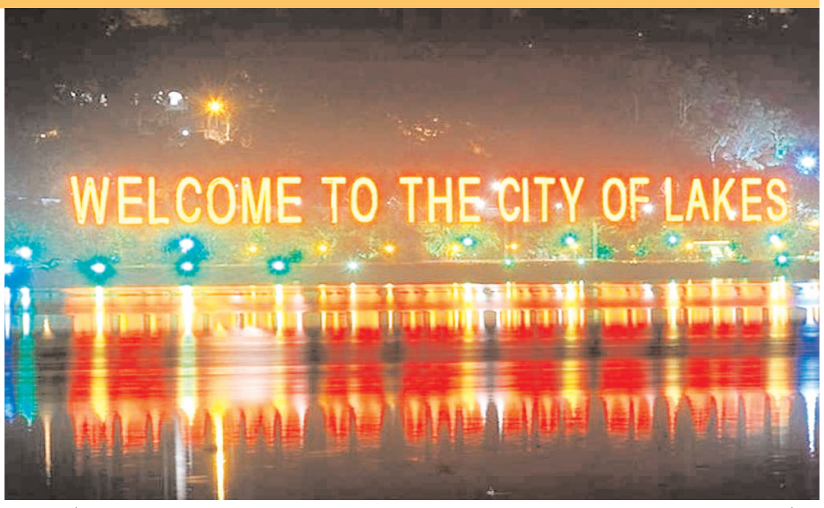

सिटी चीफ भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 29 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।माह का प्रादर्श ~ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के अंतरंग प्रदर्शनी भवन वीथी संकुल में माह का प्रादर्श टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। चित्रों की प्रदर्शनी ~ मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की%%%%लिखंदरा प्रदर्शनी दीर्घा में भील समुदाय के चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है।प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से देखा जा सकता है। लोकरंग ~ रवींद्र भवन में चल रहे लोकरंग समारोह में दोपहर दो बजे से बुल्गारिया के कलाकारों की नृत्य प्रस्तुतियों के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन एवं प्रदर्शन होगा। व्यंजन और शिल्प मेला मुख्य आकर्षण है। फिल्म प्रदर्शन~ शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से सैन्य फिल्म बीटिंग रिट्रीट का प्रदर्शन होगा। गणतंत्र दिवस के उपरांत 29 जनवरी को समारोह के समापन पर आधारित फिल्म्स डिवीजन आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण शोरी डाक्यूमेंट्री फिल्म ने किया है।

शिल्पकारों ने गढ़ीं श्रीराम और अयोध्या मंदिर की आकृतियां

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। भगवान श्रीराम आदि काल से जन-जन के नायक रहे हैं और उन्हें मानने वालों की कभी कोई कमी नहीं थी, लेकिन अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम नाम की चर्चा चहुंओर बढ़ गई है। अयोध्या जी में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के बाद से भक्त राममय हो गए हैं। यही वजह है कि शिल्पों में भी राम की छवियां ज्यादा देखने को मिल रही हैं। शिल्पकार भगवान श्रीराम की विभिन्न कलाकृतियां उकेर रहे हैं, क्योंकि लोग इन्हें पसंद कर रहे हैं। रवींद्र भवन में चल रहे लोकरंग उत्सव के शिल्प मेले में भी यह देखने को मिला, जहां अन्य देवी- देवताओं के साथ ही श्रीराम की कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं। काष्ठ, पत्थर और धातु से बनी श्रीराम की मूर्तियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित लोकरंग 30 जनवरी तक चलेगा।ङ्गशिल्प मेले में आए प्रभात सिसोदिया ने अपने स्टाल पर अयोध्या के राममंदिर की थ्रीडी रेप्लिका प्रदर्शित की है, यह मंदिर का हूबहू माडल है, जिसे 360 डिग्री से देखा जा सकता है। प्रभात बताते हैं, यह आकृति मैने दो माह पूर्व पहली बार बनाई थी, इसके बाद कई आकृतियां बना चुके हैं। चार से 10 इंच की इन आकृतियों की कीमत 600 से 2100 रुपये तक है। इसी प्रकार उन्होंने स्टोन कार्विंग में रामदरबार बनाया है। इनका आकार साढ़े पांच से साढ़े छह इंच है। पूजापाठ के अतिरिक्त लोग इन्हें घर की सजावट और प्रतीक चिह्न के रूप में देने के लिए खरीद रहे हैं। प्रखर आर्ट क्रिएशन के संचालक प्रभात ने बताया कि आगे उनकी योजना स्टोन से ही आयोध्या में प्रतिष्ठित श्रीराम की छोटी प्रतिमा बनाने की है। पीतल से बनाया मंदिर और राम दरबार मेले में टीकमगढ़ से आए पारंपरिक धातु शिल्पी रजनीश सोनी पीतल से बना रामदरबार और अयोध्या मंदिर की प्रतिकृति लेकर आए हैं। रजनीश ने बताया कि उन्होंने पीतल से पहली बार रामदरबार बनाया है, जिसमें श्रीराम के साथ माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और बजरंगबली विराजित हैं। यह आकृति वनवास के बाद श्रीराम के अयोध्या आगमन और राजपाट संभालने का दृश्य है। 26 किलो वजनी सबसे बड़े रामदरबार की कीमत 51 हजार रुपए है। रजनीश ने बताया कि हमने अयोध्या के नवनिर्मित राममंदिर की प्रतिकृति भी पीतल से बनाई है। इन आकृतियों को विवाह, गृह प्रवेश आदि के मौके पर उपहार के रूप में देने के लिए पसंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि धातु से शिल्पकारी हमारी पारंपरिक कला है। 1910 में मेरे दादाजी ने यह कार्य आरंभ किया था। अयोध्या तक पहुंचा धनुष- बाण धनुर्धर के रूप में भी भगवान राम की पहचान है। पुराने समय में धनुष का उपयोग युद्ध लड़ने और शिकार करने के लिए किया जाता था, लेकिन वर्तमान समय में धनुष- बाण कम ही देखने को मिलते हैं। शिल्प मेले में बांसवाड़ा (राजस्थान) के काष्ठ शिल्पी हितेश तिरगर धनुष- बाण लेकर आए हैं। यहां वे आगंतुकों से निशाना लगवा रहे हैं और धुनष- बाण का विक्रय भी कर रहे हैं। हितेश ने बताया कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान भगवान राम से जुड़ी वस्तुएं मंगाई गई थीं, तब उन्होंने मंदिर ट्रस्ट को अपने हाथ से बनाया धनुष- बाण भेंट किया था, जिसे प्राण प्रतिष्ठा के दौरान मंदिर के गर्भ गृह में रखा गया था। उन्होंने बताया कि झाउ और बांस की लकड़ी का उपयोग कर धनुष बनाया जाता है। पहले सिंपल धनुष बनता था अब फोल्डिंग वाला बनाया जाने लगा है। एक धनुष की कीमत 11 सौ से दो हजार तक है। अब ज्यादातर खेल में इनका उपयोग होता है।

दिन के तापमान में बढ़ोतरी, यह है मध्य प्रदेश के मौसम का हाल

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। उत्तर भारत में वेस्टर्न जेट स्ट्रीम लगातार बना हुआ है। एक पश्चिमी विक्षोभ वर्तमान में अफगानिस्तान के आसपास आ गया है। उसके असर से हवाओं का रुख बदलने लगा है। इस वजह से ऊंचाई के स्तर पर बादल छाने लगे हैं। बादलों के कारण रात के तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने लगी है। रविवार को दिन के तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक सोमवार को ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है।प्रदेश में दिन का सबसे अधिक 30.5 डिग्री सेल्सियस तापमान खंडवा में रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक सोमवार को ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। 30 जनवरी से हवाओं का रुख उत्तरी होने से प्रदेश में फिर रात के तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है। रविवार को प्रदेश के 18 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। प्रदेश में सबसे कम 6.8 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में रिकार्ड किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा छह डिग्री सेल्सियस पर रहा। तीव्र आवृति वाली मौसम प्रणाली मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक अफगानिस्तान के आसपास तीव्र आवृति वाली मौसम प्रणाली के असर से हवाओं का रुख दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी होने लगा है। नमी आने के कारण ऊंचाई एवं मध्यम स्तर के बादल छाने लगे हैं। बादलों के कारण दिन के तापमान में कुछ कमी आने की संभावना है, जबकि रात के तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने लगी है। वेस्टर्न जेट स्ट्रीम मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक वेस्टर्न जेट स्ट्रीम (12 किलोमीटर की ऊंचाई पर पश्चिम से पूर्व की तरफ तीव्र गति से चल रही हवाओं का समूह) बना हुआ है। उत्तरी अरब सागर एवं उससे लगे महाराष्ट्र-गुजरात पर लगभग तीन किलोमीटर की ऊंचाई पर एक प्रति चक्रवात बना है। इस वजह से हवाओं के साथ अरब सागर से कुछ नमी आने लगी है। इस वजह से ऊंचाई के स्तर पर बादल छाने लगे हैं। पश्चिमी विक्षोभ के असर से रविवार से उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी एवं वर्षा होने की संभावना है। इसके आगे बढ़ने के बाद 30 जनवरी से हवाओं का रुख उत्तरी होने से प्रदेश में फिर रात के तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी पीके रैकवार ने बताया कि बादल के काफी ऊंचाई पर रहने की वजह से दिन का तापमान भी बढ़ रहा है।

राजस्थान व मप्र के बीच एमओयू, एमपी में सात सिंचाई परियोजनाओं का होगा निर्माण

सिटी चीफ भोपाल। राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल परियोजना को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद का रविवार को पटाक्षेप हो गया। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ बैठक की और दोनों मुख्यमंत्री दिल्ली पहुंचे, जहां केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में जल शक्ति मंत्रालय के श्रम शक्ति भवन स्थित कार्यालय में दोनों राज्य और केंद्र की सरकारों के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) हो गया।इसके अंतर्गत अब एकीकृत पार्वती, कालीसिंध और चंबल परियोजना का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन बनाया जाएगा। मध्य प्रदेश में सात सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण होगा। इससे नौ जिलों में 3.37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। पार्वती, काली सिंध और चंबल नदियों का जल बंटवारा राजस्थान के मुख्यमंत्री से बैठक के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि पार्वती, काली सिंध और चंबल नदियों के जल बंटवारे को लेकर लिए जा रहे महत्वपूर्ण निर्णय से दोनों राज्यों के लाखों किसानों का जीवन बदलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसानों की आय दोगुना करने के संकल्प के अंतर्गत दोनों राज्यों के बीच सहमति हो गई है।

चुनाव से पहले ओबीसी वर्ग को साधेगी भाजपा

जिले में 5 हजार से कम जनसंख्या वाली जातियों का करेगी सम्मेलन

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी प्रदेश भर में संचालित ओबीसी वर्ग के छात्रावासों में जाएं और वहां पढ़ने वाले छात्रों से संवाद करें। मोर्चा पदाधिकारी छात्रों से भाजपा की केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा छात्रों को लेकर चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करें। छात्रों को जानकारी न हो तो उन्हें योजनाओं की पूरी जानकारी दें और योजनाओं से वंचित छात्रों को योजना का लाभ दिलाएं। पिछड़ा वर्ग मोर्चा लोकसभा क्षेत्र, जिला व विधानसभा क्षेत्रों में पांच हजार से कम जनसंख्या वाली ओबीसी वर्ग की जातियों के सम्मेलन आयोजित करें। यह बात भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कही।योजनाओं की जानकारी देने की कही बात बैठक में राज्य शासन के मंत्री और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और नारायण सिंह कुशवाहा, प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर सहित मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे। हितानंद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी ओबीसी वर्ग के सभी छात्रावासों में जाएं और वहां पढ़ने वाले छात्रों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग को लेकर चलाई जा रही योजनाओं और गरीब कल्याण व विकास कार्यों की जानकारी दें। कार्यों को लेकर करें चर्चा हितानंद ने कहा कि मोर्चा के दो राष्ट्रीय सम्मेलन पटना और कर्नाटक में आयोजित होंगे। दोनों आयोजनों में पार्टी के प्रदेश, जिला और मंडल के पदाधिकारियों के साथ ओबीसी वर्ग के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी अपेक्षित है। उन्होंने लोकसभा चुनाव की दृष्टि से पिछड़ा वर्ग मोर्चा के करणीय कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की।

संपादकीय

पलटीमार राजनीति के चैंपियन हैं नीतीश कुमार

भाजपा के नेता आजकल नीतीश कुमार के लिए यही गाना गुनगुनाते होंगे। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व नीतीश कुमार को अपने निकट पाकर भले ही खुश हो लेकिन बिहार के पार्टी कार्यकर्ता हतप्रभ हैं। कल तक जिसके खिलाफ वे झंडा उठाए घूम रहे थे, अब उसकी जयकार करने की मजबूरी है। पार्टी कार्यकर्ता खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। लेकिन इसकी परवाह किसे है? यह ठीक है की सत्ता हासिल करना राजनीतिक दलों का मूलभूत उद्देश्य होता है, लेकिन उसका भी कुछ प्रोटोकॉल होता है, एक तहजीब होती है, नीति होती है। जनता का विश्वास हासिल कर सत्ता में आना और जनता के कल्याण के लिए सत्ता का इस्तेमाल करना ही लोकतंत्र है। लेकिन बिहार में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुआ वह इन सबसे परे है। यह राजनीतिक अवसरवाद का निकृष्टम उदहारण है। बिहार में जो हो रहा है वह लोकतंत्र नहीं धतकर्म है। नीतीश इस धतकर्म के माहिर खिलाड़ी हैं। अपनी कुर्सी बचाने के लिए बारंबार नट की तरह सत्ता की डोर पर कलाबाजी दिखाना और गुलाटी मारना उनका स्वभाव बन गया है। यहां यह याद दिलाना जरूरी है की नीतीश इंडि गठबंधन के संस्थापक थे। उन्होंने ही घूम-घूम कर सभी विपक्षी नेताओं से बात की थी और साथ मिलकर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया था। विपक्ष की पहली बैठक उन्हीं की पहल और आमंत्रण पर पटना में हुई थी। बेशक इसके पीछे कांग्रेस की सहमति थी लेकिन पहल नीतीश की ही थी। तब उन्होंने कहा था कि वे विपक्ष को एकजुट करने के लिए काम करना चाहते हैं ताकि भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटाया जा सके। तब नीतीश के मन में प्रधानमंत्री की कुर्सी थी। लेकिन यह इच्छा उन्होंने खुद कभी जाहिर नहीं की लेकिन उनकी पार्टी के नेताओं ने इसके लिए माहौल बनाने की पुरजोर कोशिश की। पर पीएम की कुर्सी उनसे दूर होती गई। %इंडिया% पर कांग्रेस ने कब्ज़ा कर लिया और नीतीश को हासिए पर ठेल दिया गया। तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने का बढ़ रहा था दबाव इसके बाद उनके मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भी खतरा पैदा हो गया। लालू प्रसाद की तरफ से तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा था। यहां तक कि जदयू को तोड़ कर तेजस्वी को सीएम बनाने का तानाबाना बुना जाने लगा। इसमें ललन सिंह के भी सहयोग की चर्चा जब आम हुई तो आनन-फानन में उन्हें अध्यक्ष पद से हटाकर खुद उस कुर्सी पर बैठ गए। फिर भी सीएम पद छोड़ने का दबाव कम नहीं हुआ। उधर भाजपा पर लोकसभा की 40 में से 39 सीटों पर जीत को दोहराने का दबाव था। यह नीतीश के साथ से ही हो सकता था। उधर नीतीश सीएम की कुर्सी बचाए रखना चाहते थे। दोनों को एक दूसरे की जरूरत थी। यही जरूरत भाजपा-जदयू को फिर से साथ लाया। यह तो हुई अंदर की बात। नीतीश कुमार को यह बताना चाहिए कि भाजपा में अचानक ऐसी क्या बुराई आ गई थी कि उसे छोड़ कर राजद के साथ चले गए थे? फिर अचानक भाजपा में उन्हें क्या अच्छा दिखा की फिर उसके साथ आ गए? भाजपा तो जो कल थी वही आज भी है! फिर पलटने की वजह क्या रही? इसी तरह राजद में उन्हें कौन का सतगुण दिखा की भाजपा से नाता तोड़ वे उसके संगी हो गए, फिर अचानक क्या दुर्गुण दिखा की कन्नी काट लिए ? यह कौन सा खेल है नीतीश जी? कल तक नीतीश कुमार में दुनिया का हर दुर्गुण देखने वाली, उन्हें बीमार और मानसिक रोगी बतानेवाली भाजपा को भी यह बताना चाहिए कि रातोरात नीतीश जी में उन्हें क्या सुधार दिखा की पुन: उनके आज्ञाकारी सहयोगी बन गए हैं? यह कैसी पॉलिटिक्स है? जहानाबाद के उस कार्यकर्ता की आत्मा को भाजपा नेता क्या मुंह दिखाएंगे जिसकी मौत पटना में भाजपा के प्रदर्शन में पुलिस की पिटाई से हुई थी? उस लाठी चार्ज को जदयू और राजद जायज ठहरा रहे थे। भाजपा अब किस मुंह से उसकी आलोचना करेगी? भाजपा नेता कार्यकर्ताओं को अपना मुख्यमंत्री और अपनी सरकार का जो सपना दिखाते आ रहे थे, उस सपने का क्या होगा? क्या यह माना जाए की कार्यकर्ताओं को गुमराह किया जा रहा था? सत्ता लोलुपता के सन्दर्भ में भाजपा, जदयू या राजद में कोई अंतर दिखता है क्या ? पाला बदल कर नीतीश कुमार 9वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। सर्वाधिक लम्बे काल तक बिहार का मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड नीतीश कुमार के नाम जरूर दर्ज हो गया है। लेकिन इस बाजीगरी से बिहार की प्रतिष्ठा गिरी है। नेताओं की विश्वसनीयता पेंदे में चली गई है। ऐसी पलटीमार राजनीति से बिहार का कोई भला होनेवाला नहीं है। सबसे बड़ा संकट भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के सामने आ खड़ा हुआ है। भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने केसरिया पगड़ी बांधनी शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा था कि यह पगड़ी नीतीश कुमार को सत्ता से हटाने के बाद ही खोलेंगे। नीतीश ने ऐसी कलाबाजी दिखाई कि सम्राट ने जिसको हटाने का संकल्प लेकर पगड़ी बंधी थी उसी के नेतृत्व में वे उप-मुख्यमंत्री बन गए हैं। सूत्रों के मुताबिक भाजपा कोर टीम की बैठक में उन्होंने अपनी पीड़ा खुलकर रखी। उन्होंने पूछा की अब वे क्या करेंगे ? बताते हैं की वे इस समझौते के पक्ष में नहीं थे। लेकिन उन्हें पार्टी के फैसले को मानना पड़ा। नीतीश के पास बंद दरवाजे की चाभी भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्णिया की जनसभा में घोषणा की थी कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे सदा के लिए बंद हो गए हैं। यह बात उन्होंने तीन बार दोहराई थी। लेकिन नीतीश तो बाजीगर हैं। उनके पास हर दरवाजे की चाभी रहती है। जब चाहते हैं अपनी सुविधानुसार दरवाजे खोल लेते हैं। उनके लिए कभी कोई दरवाजा बंद नहीं होता। अमित शाह को बिहार की जनता को बताना चाहिए कि ऐसा क्या हो गया की नीतीश के लिए सदा के लिए बंद दरवाजा खोलना पड़ा ? अब कौन उनकी बात पर भरोसा करेगा? नीतीश पत्रकारों से बारबार कहा करते थे कि- आप पर दिल्लीवालों का कब्जा है। आप वही दिखाएंगे और लिखेंगे जो आपको दिल्ली वाला कहेगा। अब वे खुद उसी दिल्लीवाले के कब्जे में चले गए। अब उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी यह देखना दिलचस्प होगा। एनडीए के सहयोगी दल रालोसपा और लोजपा (रामविलास) भी भाजपा के इस फैसले से हतप्रभ हैं। नाखुश हैं। उन्हें मनाने में भाजपा को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। यह कहने में कोई गुरेज नहीं की नीतीश कुमार राजनीति के वे दूल्हे हैं जिनकी पालकी उठाने के लिए हर पार्टी तैयार रहती है। वे बिहार की अवसरवादी राजनीति के चैंपियन बन चुके हैं।

बजट: कृषि के कायाकल्प का अवसर, किसानों की आय बढ़ाने वाली नीतियों को मिले प्राथमिकता

कृषि देश के आर्थिक और सामाजिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक तरफ एमएसपी बढ़ोतरी और फसल बीमा योजनाओं जैसी हालिया पहलों ने आशा की किरणें जगाई हैं, दूसरी तरफ बढ़ती कृषि लागत, अस्थिर बाजार कीमतें, कर्ज के नीचे दबता किसान, जलवायु परिवर्तन व सीमित बुनियादी ढांचा नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और नवीन समाधानों की मांग करता है। आगामी बजट नई जमीन तैयार करने और अधिक मजबूत, टिकाऊ व समावेशी कृषि परिदृश्य विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर हो सकता है। जलवायु परिवर्तन सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए समस्या बनकर उभरी है। बजट में ड्रिप सिंचाई, मृदा संरक्षण तकनीक और सूखा प्रतिरोधी फसल किस्मों को अपनाने जैसी जलवायु-लचीली प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जैविक खेती के उपकरण और इनपुट के लिए कर छूट और सब्सिडी किसानों को रासायनिक उर्वरकों से दूर जाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। सिंचाई और कृषि प्रसंस्करण के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटा सकता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कर सकता है। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बीज, उर्वरक, बिजली और पानी पर भारी सब्सिडी देने के बावजूद अधिकांश किसान लगातार संकट में हैं और आत्महत्या और आंदोलन का कारण बन रहे हैं। भारत में किसानों की औसत आय उससे भी कम बनी हुई है। बजट में उन नीतियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो उनकी आय बढ़ाएं और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करें। पीएम-किसान जैसी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ाना बहुत जरूरी है और यह वित्तीय स्थिरता प्रदान कर सकता है। किसानों को उनकी ऊपज का उचित मूल्य देने के लिए पूरे देश में प्रत्येक फसल की घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया जाए। बढ़ती कृषि लागत के बीच भारतीय किसानों को गंभीर ऋण संकट का सामना करना पड़ता है। कर्ज के बोझ तले दबा किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2022 में आत्महत्या करने वाले 5,207 किसानों में से 4,999 पुरुष और 208 महिलाएं थीं। आगामी बजट में ऋण राहत योजनाओं, ब्याज मुक्त ऋणों या फसल बीमा कार्यक्रमों के लिए ज्यादा धनराशि का प्रावधान किया जाना जरूरी है। कृषि प्रगति मजबूत बुनियादी ढांचे पर निर्भर करती है। सिंचाई नहरों, भंडारण सुविधाओं और ग्रामीण सड़कों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाया जा सकता है। ग्रामीण विद्युतीकरण में निवेश और सूचना प्रौद्योगिकी तक बेहतर पहुंच किसानों को मौसम के पैटर्न, बाजार के रुझान और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में ज्ञान से लैस कर सकती है। खाद्य प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बुनियादी ढांचे में निवेश बर्बादी को कम करने, उत्पादों को टिकाऊ बनाने और किसानों के लिए उच्च रिटर्न उत्पन्न करने में मदद कर सकता है। बजट में कृषि शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कृषि उद्यमिता और एग्रीटेक स्टार्टअप को बढ़ावा देना नवाचार को बढ़ावा दे सकता है और ग्रामीण युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। उन्नत बीजों, सूखा प्रतिरोधी फसलों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए अनुसंधान में निवेश बढ़ाने से कृषि उत्पादकता और आय को बढ़ावा मिल सकता है। महिलाएं भारतीय कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हुए उन्हें सशक्त बनाने के लिए बजट में महिला-विशिष्ट कार्यक्रमों और पहल को बढ़ावा देना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण, किसान सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा और मूल्य संवर्धन में निवेश को प्राथमिकता देकर हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं, जहां हमारे किसान समृद्ध हों, खाद्य सुरक्षा की गारंटी हो। उम्मीद करनी चाहिए कि आगामी बजट भारत में कृषि समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेगा।

सत्ता और सियासत: बिहार तो सिर्फ एक झलक है, इस अनैतिकता की पूरी जिम्मेदारी राहुल गांधी पर

नीतीश कुमार के पाला बदल लेने से विपक्षी दलों के बीच जो अराजकता और बेचैनी बढ़ी है, उसके जिम्मेदार वे स्वयं हैं। बेशक नीतीश कुमार का पाला बदलना अनैतिक हो सकता है, पर कांग्रेस की अगुआई वाले इंडिया गठबंधन ने इसे होने दिया। जून, 2023 से, जब इंडिया गठबंधन अस्तित्व में आया, कमेटी राज, कई शक्ति केंद्र, एक ही पार्टी को प्रमुखता और संवाद की कमी ने इसका संकेत दे दिया था। यह सुनने में भले अजीब लगे, लेकिन कुछ अस्पष्ट कारणों से कांग्रेस ने अपने ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने या गठबंधन का अध्यक्ष बनने से इन्कार कर दिया। इसने एक क्षेत्रीय क्षत्रप को संयोजक के पद से वंचित करने, गठबंधन सचिवालय की स्थापना करने या नेतृत्व के मुद्दे को निपटाने की संभावनाओं को खत्म कर दिया। इस तरह से, इस गड़बड़ी की जिम्मेदारी पूरी तरह से कांग्रेस और गांधी परिवार की है, खासकर राहुल गांधी की, जिन्होंने सीट समायोजन के लिए गठबंधन में आम सहमति बनाने के बजाय न्याय यात्रा को चुना। गांधी परिवार को अफसोस हो रहा होगा कि कैसे उन्होंने नीतीश को इंडिया गठबंधन का संयोजक बनाकर शांत करने का सुनहरा मौका गंवा दिया। सभी लोग जब नीतीश को संयोजक बनाने पर सहमत हो गए थे, तब राहुल ने कथित तौर पर तर्क दिया कि चूंकि ममता बनर्जी नहीं थीं, इसलिए उनकी सहमति ली जानी चाहिए। अगले दो सप्ताह तक राहुल इसे या तो भूल गए या नजर अंदाज करने का फैसला लिया। ममता के साथ कोई बातचीत नहीं हुई, अंतत: निराश नीतीश ने भाजपा के साथ मिलने का फैसला किया। भाजपा की रणनीति 2024 के चुनाव में अपनी संभावनाओं को मजबूत करने से यादा विपक्षी गठबंधन को लोकसभा सीटों से वंचित करने से प्रेरित है। अब मई, 2024 के बाद की पटकथा लिखने की कोशिश हो रही है, जिसमें क्षेत्रीय दल कांग्रेस को दोषी ठहराने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस के भीतर भी राहुल के वफादार नेता खरगे को दोषी ठहराने में रुचि रखते हैं, जबकि कांग्रेस के भीतर आम तौर पर लोग राहुल के खिलाफ हैं। प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति संकेत देती है कि 10 जनपथ के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। मई, 2024 के बाद कांग्रेस में औपचारिक विभाजन को खारिज नहीं किया जा सकता है। नीतीश कुमार के इस पालाबदल से जहां विपक्षी गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है, वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। हालांकि हिंदी पट्टी में भाजपा की स्थिति मजबूत है, पर पार्टी किसी तरह का जोखिम लेना नहीं चाहती थी। इसलिए नीतीश को अपने पाले में लाकर उसने कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन की जो थोड़ी भी संभावना थी, उसे ध्वस्त कर दिया है। इसके अलावा, भाजपा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वह एक और राय में सत्ता में साझेदार बन गई है और जदयू के लिए राहत की बात है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उसके नेता नीतीश कुमार ही बने हुए हैं। जब-जब भाजपा और जदयू ने मिलकर चुनाव लड़ा है, उसके नतीजे अछे ही आए हैं। पिछली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर बिहार की 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। राय में मुख्यमंत्री कौन बनेगा, उससे यादा महत्वपूर्ण भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव था। भाजपा की रणनीति है कि विपक्षी गठबंधन की एकता को झटका देकर कैसे उसे लोकसभा सीटों से वंचित रखा जाए। पश्चिम बंगाल और पंजाब में पहले ही इंडिया गठबंधन में दरार पैदा हो गई है, हालांकि तृणमूल कांग्रेस और आप अभी इंडिया गठबंधन में बने हुए हैं। विपक्षी एकता के बारे में कहना जितना आसान है, उतना करना नहीं। अतीत में कई ऐसे मौके आए हैं, जब विभिन्न दलों एवं विचारधाराओं के लोग 1977, 1989, 1996, और 2004 में एकजुट हुए। वर्ष 1977 में जब शक्तिशाली इंदिरा गांधी को पराजित किया गया था, तो विपक्षी जहाज को सहारा देने के लिए एक लंगर था। जयप्रकाश नारायण की पहल पर चार प्रमुख विपक्षी पार्टियां-कांग्रेस (ओ), जनसंघ, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय लोक दल 23 जनवरी, 1977 को एकजुट हुईं और जनता पार्टी बनाई। इसी तरह, 1989 में दक्षिणपंथी और वामपंथी दल ने विश्वनाथ प्रताप सिंह के साथ राजीव गांधी को सरकार बनाने का मौका नहीं दिया, हालांकि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। 2004 में भी जब अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा को कांग्रेस से कम सीटें मिलीं, तो वीपी सिंह और माकपा महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने क्षेत्रीय क्षत्रपों को पर्दे के पीछ से कांग्रेस के करीब लाने का काम किया। फिर यूपीए का गठन हुआ, जिसने दस वर्षों तक राज किया। इस तरह से युग-निर्माण के हर मौके पर एकता के लिए मुश्किल से कुछ महीने काम किया गया। अब जबकि अप्रैल-मई में होने वाले चुनाव की उल्टी गिनती शुरू होने वाली है, विपक्ष ताश के पत्ते की तरह ढह रहा है। एक और बात है, जो विपक्षी खेमे को बांधे हुए है। अधिकांश विपक्षी नेता यह भी जानते हैं कि राहुल 2024 में प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। वह तब तक दावेदार नहीं होंगे, जब तक कि कांग्रेस 2024 में अप्रत्याशित रूप से अछा प्रदर्शन नहीं करती। राहुल की योजना के अनुसार, जब तक कांग्रेस लोकसभा में आधे का आंकड़ा या 272 सीटें नहीं प्राप्त कर लेती, तब तक इस प्रतिष्ठित पद का दावा नहीं करेगी। जैसे हालात हैं, अगर कांग्रेस को 100 सीटें भी मिल जाएं, तो वह खुद को भाग्यशाली समझेगी। इस प्रकार, अनौपचारिक रूप से विपक्षी दलों को भरोसा है कि प्रधानमंत्री का पद किसी क्षेत्रीय नेता को मिलेगा, जो 30 से अधिक सीटें पाने और गैर-कांग्रेसी समूहों के बीच स्वीकार्यता हासिल करने की क्षमता रखता हो। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने विपक्ष की योजनाओं पर पानी फेर दिया। मोदी को हराने के लिए विपक्ष ने किसी विश्वसनीय लड़ाई या बाहरी मौके की उम्मीद खो दी। क्षेत्रीय दलों को उम्मीद थी कि राहुल और सोनिया गांधी सक्रिय होंगे, सुधारात्मक उपाय करेंगे और अधिकार की भावना छोड़ेंगे। जब उन्हें ऐसा कुछ नहीं दिखा, तो उन्होंने अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी। बिहार में जो हुआ है, वह एक झलक मात्र है। यह आखिरी झटका नहीं है। इंडिया गठबंधन में उद्धव ठाकरे से लेकर अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव से लेकर शरद पवार तक कई लोग समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अपनी-अपनी रणनीति बना रहे हैं।

सकट चौथ व्रत आज, जानें पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सकट चौथ का व्रत रखा जाता है। इस साल यह व्रत आज यानी 29 जनवरी को रखा जा रहा है। इस व्रत को सकट चौथ के अलावा संकष्टी चतुर्थी, तिलकुट, माघ चतुर्थी आदि नामों से जाना जाता है। सकट चौथ का व्रत प्रथम पूज्य देवता भगवान गणेश को समर्पित है। इस दिन व्रत रखा जाता है और गणेश जी की पूजा की जाती है। इसके बाद रात में चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। यह व्रत खासतौर पर महिलाओं द्वारा अपनी संतान की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए रखा जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से विघ्नहर्ता गणेश संतान के सारे संकटों को दूर करते हैं। आइए जानते हैं इस साल सकट चौथ की पूजा विधि और शुभ मुहूर्त...

सकट चौथ 2024 तिथि

पंचांग के अनुसार माघ माह के कृष्ण पक्ष की सकट चतुर्थी तिथि की शुरुआत 29 जनवरी 2024 को सुबह 06 बजकर 10 मिनट होगी। अगले दिन इसका समापन 30 जनवरी 2024 को सुबह 08 बजकर 54 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल सकट चौथ का व्रत 29 जनवरी 2024 को रखा जाएगा।

सकट चौथ 2024 चंद्रोदय समय

माघ माह की सकट चतुर्थी के दिन 29 जनवरी को चंद्रोदय रात 09 बजकर 10 मिनट पर होगा।

सकट चौथ की पूजा विधि
सकट चौथ के दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद भगवान गणेश की प्रतिमा को चौकी पर स्थापित करें। गणेश जी के साथ मां लक्ष्मी की मूर्ति भी रखें।

सकट चौथ का महत्व

माताएं अपनी संतान के सुखी जीवन के लिए सकट चौथ का व्रत रखती हैं। व्रती महिलाएं शाम को गणेश जी की पूजा और चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही भोजन करती हैं। मान्यता है कि माघ माह की चतुर्थी के दिन ही भगवान गणेश ने अपने माता-पिता की परिक्रमा कर अपनी तीव्र बुद्धि, ज्ञान का परिचय दिया था। इस व्रत को करने से संतान को अच्छा स्वास्थ्य, बुद्धि, समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही इस दिन तिल का स्नान, दान, उसके सेवन और पूजा में विशेष इस्तेमाल किया जाता है।

'ओएमजी 2' ने जीता बेस्ट स्टोरी अवॉर्ड तो 'बेशरम रंग' की मची धूम

मुंबई । 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में विक्रांत मैसी की फिल्म '12वीं फेल' ने बेस्ट स्क्रीनप्ले का अवॉर्ड अपने नाम करके बता दिया कि अच्छे कॉन्टेंट को नजरअंदाज करना मुश्किल है। 'ओएमजी 2' ने अपनी शानदार स्टोरी से दर्शकों का ही नहीं, फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की ज्यूरी का भी दिल जीता। दीपिका पादुकोण के विवादित गाने 'बेशरम रंग' की गायिका ने बेस्ट फिमेल सिंगर का अवॉर्ड जीता। 'ओएमजी 2' के लिए अमित राय ने बेस्ट स्टोरी का अवॉर्ड जीता। विधु विनोद चोपड़ा को 12वीं फेल के लिए बेस्ट स्क्रीनप्ले का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए इशिता मोइत्रा को बेस्ट डायलॉग का अवॉर्ड मिला। फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' के गाने 'तेरे वास्ते' के लिए अमिताभ भट्टाचार्य को बेस्ट लिरिक्स का अवॉर्ड मिला।

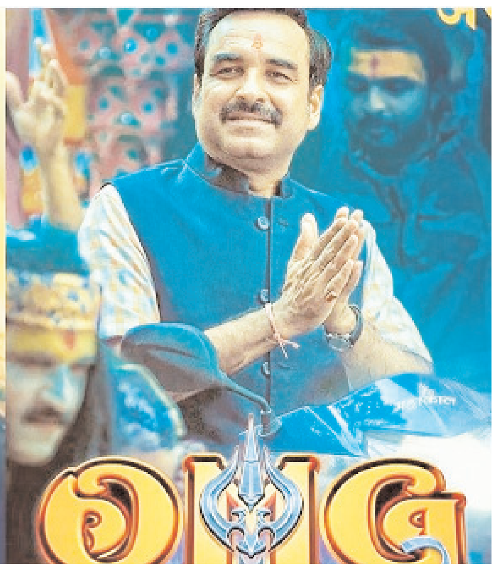

लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित हुए डेविड धवन

फिल्म 'एनिमल' से जुड़े सभी म्यूजिक डायरेक्टर्स को बेस्ट म्यूजिक एल्बम के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 'पठान' के गाने 'बेशरम रंग' के लिए सिंगर शिल्पा राव को बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल अवॉर्ड से नवाजा गया, जबकि 'एनिमल' के गाने 'अर्जन वैली' के लिए सिंगर भूपेंद्र बब्बल को बेस्ट प्लेबैक सिंगर मेल का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। डायरेक्टर डेविड धवन फिल्मफेयर के लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित हुए।

अवॉर्ड फंक्शन में छाई रानी मुखर्जी और शेफाली शाह

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री अपनी डेब्यू फिल्म 'फर्रे' के लिए बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस के अवॉर्ड से सम्मानित हुईं, वहीं फिल्म 'फराज' के लिए आदित्य रावल को बेस्ट डेब्यू एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए शबाना आजमी को सपोर्टिंग रोल के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। रानी मुखर्जी और शेफाली शाह को उनकी फिल्मों 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' और 'थ्री ऑफ अस' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स अवॉर्ड मिला, वहीं फिल्म 'जोरम' बेस्ट फिल्म क्रिटिक्स अवॉर्ड के लिए चुनी गई।

कार्तिक आर्यन से मिलने के लिए फैंस ने तोड़ा बैरिकेड

मुंबई । बॉलीवुड के लकी चार्म के नाम से पॉपुलर कार्तिक आर्यन टैलेंटेड और हैंडसम एक्टर में से एक हैं। एक्टर इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म 'सत्य प्रेम की कथा' के बाद अब फिल्म 'आशिकी 3' ‌ड्डह्यद्धद्बह्यद्ध 3 में नजर आने वाले हैं। वहीं अभी तक लीड एक्ट्रेस को लेकर खुलासा नहीं हुआ है। इन सब खबरों के बीच फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2024 में कार्तिक आर्यन एक हादसे का शिकार होते-होते बचे हैं। इस इवेंट के बाद एक्टर बाहर निकलते ही अपने फैंस से मिलने के लिए पहुंच गए। उसी दौरान कार्तिक आर्यन के फैंस बैरिकेड तोड़ उनसे मिलने तकी कोशिश करते दिखाई देते हैं।

फैंस ने तोड़ा बैरिकेड

कार्तिक आर्यन का नया वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह इवेंट से निकलते वक्त फैंस से मिलने जाते हैं, लेकिन तभी एकदम से फैंस सिक्योरिटी का बैरिकेड तोड़कर कार्तिक आर्यन का हाथ पकड़ने और फोटो लेने के लिए है भगदड़ मचा देते हैं। वीडियो में घबराते हुए कार्तिक सिक्योरिटी से बात करते नजर आ रहे हैं। कार्तिक आर्यन को देख वहां पहुंची भीड़ बेकाबू हो जाती है। एक्टर को इस घटना में कोई चोट नहीं लगी है।

यहां देखें कार्तिक आर्यन का वीडियो-

कार्तिक आर्यन का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करे तो कार्तिक इन दिनों 'चंदू चैम्पियन' की शूटिंग में बिजी हैं। इस मूवी में एक्टर भारतीय सेना के एक जवान की भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'आशिकी', इस फिल्म में राहुल रॉय और अनु अग्रवाल थे। इस फिल्म का डायरेक्शन महेश भट्ट ने किया था। साल 2013 में 'आशिकी 2' रिलीज हुई थी, इस फिल्म आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर थे। इस फिल्म का डायरेक्शन मोहित सूरी ने किया था। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'आशिकी 3' का पिछले साल 2022 में अनाउंसमेंट किया गया था। अनुराग बसु के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म को टी-सीरीज प्रोड्यूस करने वाली है।

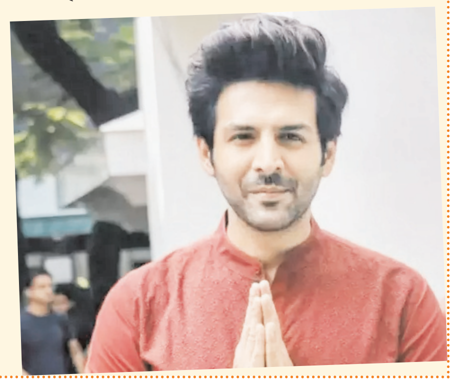

Bigg Boss 17 Winner

मुनव्वर फारुकी बने बिग बॉस 17 के विनर, उनके बर्थडे पर मिला ये खास गिफ्ट

नई दिल्ली । बिग बॉस 17 का फिनाले खत्म हो गया है और शो को अपना विनर मिल गया है। मुनव्वर फारुकी विनर बन गए हैं। मुनव्वर को ट्रॉफी के साथ-साथ 50 लाख की प्राइज मनी भी मिली। इसके साथ उन्हें हुंडई की नई क्रेटा कार भी मिलेगी। मुनव्वर फारुकी के लिए ये खुशी और भी बड़ी इसीलिए है क्योंकि फिनाले वाले दिन यानी 28 जनवरी को उनका बर्थडे भी था। वहीं अभिषेक कुमार शो के फर्स्ट रनरअप रहे। जब बिग बॉस ने मुनव्वर और अभिषेक से आखिरी बार बात की तो दोनों काफी इमोशनल हो गए थे। मुनव्वर और अभिषेक अपने आंसू नहीं रोक पाए और फूट-फूट कर रोने लगे थे। इस दौरान अभिषेक के पापा भी काफी इमोशनल हो गए थे। इसके बाद आखिरी मोमेंट पर अभिषेक ने बिग बॉस से माफी मांगी। तो वही मुनव्वर ने उनका शुक्रियाअदा किया और कहा कि थैंक्यू बिग बॉस बेहतर इंसान बनाने के लिए। बता दें कि बिग बॉस टॉप 2 की अनाउंसमेंट के बाद 10 मिनट के लिए वोटिंग लाइन भी खोल दी थी और फैंस ने मुनव्वर को दिल खोलकर वोट दिए। **शो में दिखी मुनव्वर और अभिषेक की दोस्ती** शो में अभिषेक और मुनव्वर के बीच में अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी। जब शो में मुनव्वर का ब्रेकडाउन हुआ था तो अभिषेक ने ही उन्हें संभाला था। अभिषेक उनके सपोर्ट में खड़े रहे और समझाते रहे। शो के आखिर पड़ाव तक मुनव्वर और अभिषेक की दोस्ती गहरी होती गई। **ये थे शो के टॉप 5** वहीं टॉप 5 में मुनव्वर फारुकी, अंकिता लोखंडे, अभिषेक कुमार, मन्नारा चोपड़ा और अरुण महाशेट्टी थे। अरुण महाशेट्टी टॉप 5 में से बाहर जाने वाले पहले कंटेस्टेंट थे। इसके बाद अंकिता लोखंडे शो से बाहर हुईं। टॉप 3 में मन्नारा चोपड़ा पहुंचीं थीं। हालांकि, टॉप 2 का हिस्सा मन्नारा चोपड़ा नहीं बन पाईं। **कब शुरू हुआ था बिग बॉस 17** बिग बॉस 17 के बारे में बात करें तो बता दें कि शो का प्रीमियर 15 अक्टूबर को हुआ था। शो की थीम इस बार दिल-दिमाग और दम पर बेस्ड थी। बिग बॉस ने तीन अलग-अलग मकान बनाए थे, जिनके नाम दिल-दिमाग और दम रखे थे। घरवालों को तीनों कमरों में बांट दिया था। घर को शुरुआती कई हफ्तों तक दिमाग के घरवालों ने चलाया था। शो में सभी कंटेस्टेंट्स ने अपना बेस्ट दिया। इस बार शो में गेम से ज्यादा कंटेस्टेंट्स की पर्सनल लाइफ पर फोकस रहा।

'12वीं फेल' को मिला बेस्ट फिल्म का खिताब, इन कैटेगरी में भी मारी बाजी

नई दिल्ली। साल 2023 की सबसे चर्चित फिल्म 12वीं फेल का फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में भी दबदबा देखने को मिला। विक्रांत मैसी और मेधा शंकर स्टारर इस फिल्म को 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का खिताब मिला। विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को बेस्ट फिल्म के साथ-साथ कई और कैटेगरी में भी अवार्ड मिले हैं। बेस्ट फिल्म के साथ 12वीं फेल के लिए इसके निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा को बेस्ट डायरेक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला है। वहीं, बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट मूवी एडिटिंग की कैटेगिरी में भी 12वीं फेल ने बाजी मारी है। इसके अलावा विक्रांत मैसी को 12वीं फेल के लिए फिल्म बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स) का अवार्ड मिला। गौरतलब है कि 12वीं फेल साल 2023 की सबसे सफल और चर्चित फिल्मों में से एक रही। अब 69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में भी इस फिल्म ने धमाल मचाया है। कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जमकर कमाई की। फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब सराहा। वहीं, सिनेमा जगत के दिग्गजों ने इसकी खूब तारीफ की थी। आईएमडीबी पर भी इसे 9.2 की रेटिंग मिली है, इसके साथ ही भारतीय सिनेमा की 250 फिल्मों की सूची में में 12वीं फेल आईएमडीबी पर सबसे ज्यादा रेटिंग वाली फिल्म है। 12वीं फेल मनोज कुमार शर्मा की सच्ची कहानी पर आधारित है, जो अपनी गरीबी और हर संघर्ष का सामना करते हुए आईपीएस अधिकारी बनते हैं। इस फिल्म में उनकी आईआरएस अधिकारी पत्नी श्रद्धा जोशी के साथ उनके सफर को दिखाया गया है, जो उनके कठिन समय में उनका पूरा साथ देती हैं। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के अलावा मेधा शंकर, संजय बिश्नोई, अंशुमान पुष्कर जैसे कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई है। गौरतलब है कि '12वीं फेल' फिल्म से पहले इसी नाम से एक उपन्यास भी आ चुका है, जिसे अनुराग पाठक ने लिखा, जिसके बाद इस उपन्यास को बड़े पर्दे पर उतारा गया।

फाइटर' ने हिला डाला बॉक्स ऑफिस, चार दिनों में 100 करोड़ी बनी ऋतिक-दीपिका की फिल्म

नई दिल्ली । ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण स्टारर 'फाइटर गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की पहले दिन अच्छी शुरुआत हुई. वहीं दूसरे दिन रिपब्लिक डे की छुट्टी का इस फिल्म को भरपूर फायदा हुआ और इसने दमदार कलेक्शन किया. वीकेंड पर भी 'फाइटर' ने जबरदस्त कमाई की और रविवार को इस फिल्म ने इतिहास रच दिया. चलिए यहां जानते हैं 'फाइटर' ने रिलीज के चौथे दिन यानी रविवार को कितना कलेक्शन किया है

'फाइटर' ने रिलीज के चौथे दिन कितनी कमाई की

'फाइटर' देशभक्ति से लबरेज है तो वहीं इमोशनंस और रोमांस के साथ एंटरटेनमेंट का फुल पैकेज है. इस फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण ने पहली बार स्क्रीन शेयर की है और दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल छू लिया है. फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ पहुंच रही है।वहीं 'फाइटर' को गणतंत्र दिवस की छुट्टी के साथ एक्सटेंडेड वीकेंड का भरपूर फायदा मिला है और इसी के साथ इसने चार दिनों में ही 100 करोड़ का कारोबार कर लिया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'फाइटर' ने रिलीज के पहले दिन 22.5 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं दूसरे दिन 'फाइटर' ने 39.5 करोड़ का कलेक्शन किया था और तीसरे दिन 27.5 करोड़ की कमाई की थी. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के चौथे दिन यानी पहले संडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

'फाइटर' ने वर्ल्डवाइड कितनी की कमाई

'फाइटर' का क्रेज देश ही नहीं बल्कि पूरा दुनिया के सिर चढ़कर बोल रहा है. फिल्म को दुनियाभर के दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. वहीं मनोबाला विजयबालन ने 'फाइटर' के वर्ल्डवाइड कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं. इसके मुताबिक 'फाइटर' ने रिलीज के पहले दिन दुनियाभर में 36.04 करोड़, दूसरे दिन 64.57 करोड़ और तीसरे दिन 56.19 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'फाइटर' का तीन दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 156.80 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं चौथे दिन फिल्म के 200 करोड़ के आंकड़े के करीब पहुंचने की पूरी उम्मीद है

250 करोड़ के बजट में बनी है 'फाइटर'

'फाइटर' के बजट की बात करें तो ये फिल्म 250 करोड़ के बजट में बनी है. इसे 'पठान' और 'वॉर' फेम सिद्धार्थ आनंद ने निर्देशित किया है. इंडियन आर्मड फोर्स की वीरता, बलिदान और देशभक्ति को श्रद्धांजलि देने वाली फिल्म है 'फाइटर' जो एयर ड्रैगन्स की कहानी को दिखाती है जो श्रीनगर घाटी में आतंकवादी गतिविधियों के जवाब में एयरफोर्स हेडक्वार्टर द्वारा नियुक्त एक एलिट यूनिट है. फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर सहित कई कलाकार है।

हूती विद्रोहियों के हमले में जिस जहाज पर हुआ मिसाइल से हमला, उसके कैप्टन ने बताई दास्तां

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने शनिवार को अदन की खाड़ी में एक मालवाहक तेल टैंकर पोत पर लगी आग पर काबू पा लिया. नौसेना ने पोत द्वारा मांगी गई मदद पर यह कार्रवाई की. पोत के चालक दल में 22 भारतीय थे और उस पर मिसाइल से किए गए हमले के बाद आग लग गई थी. गौरतलब है कि मार्शल द्वीप-ध्वजांकित जहाज एमवी मार्लिन लुआंडा से शुक्रवार रात की गई मदद के आह्वान के बाद भारतीय नौसेना ने जहाज की सहायता के लिए अपने युद्धपोत आईएनएस विशाखापत्तनम को तैनात किया. नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने नयी दिल्ली में कहा कि एमवी मार्लिन लुआंडा के चालक दल के साथ भारतीय नौसेना के अग्निशमन दल ने छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया. अब जहाज के कैप्टन ने मदद के लिए भारतीय नौसेना को धन्यवाद कहा है. नौसेना की ओर से एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें पोत के कैप्टन सेना का आभार जताते हुए नजर आ रहे हैं. जहाज के कैप्टन अभिलाष रावत ने कहा कि, 'मैं भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विशाखापत्तनम को धन्यवाद देता हूं. हमने इस आग से लड़ने की सारी उम्मीद खो दी थी. भारतीय नौसेना को सलाम जिसके विशेषज्ञ आग से लड़ने के लिए जहाज पर आए. भारतीय नौसेना हमारी मदद के लिए आगे आई. नौसेना ने ट्वीट में लिखा है कि, 'एमवी के मास्टर के अनुरोध के आधार पर, विशाखापत्तनम की अग्निशमन टीम, जिसमें विशेषज्ञ अग्निशमन उपकरणों के साथ 10 भारतीय नौसेना कर्मी शामिल थे, 27 जनवरी 24 के शुरुआती घंटों में जहाज पर चढ़े. एमवी के चालक दल के साथ आग पर छह घंटे की मशक्कत के बाद अग्निशमन दल ने सफलतापूर्वक आग पर काबू पा लिया है. दोबारा स्थिति की किसी भी संभावना से इनकार करने के लिए टीम फिलहाल स्थिति पर नजर रख रही है. विशाखापत्तनम ने एमवी MarlinLuanda के संकट कॉल का जवाब दिया था और सहायता प्रदान करने के लिए आगे बढ़ा था. एक अमेरिकी और फ्रांसीसी युद्धपोत ने भी संकट कॉल का जवाब दिया. भारतीय नौसेना मर्चेंट शिपिंग और नाविकों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है.' **हूती विद्रोहियों ने किया हमला** जहाज पर मिसाइल हमला कथित तौर पर ईरान समर्थित हूती आतंकवादियों द्वारा किया गया. यह हमला लाल सागर के साथ-साथ अदन की खाड़ी में सुरक्षा स्थिति को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच हुआ. इस जहाज का संचालन ब्रिटेन की कंपनी ओसियोनिक्स सर्विसेज द्वारा किया जा रहा था. हूती बीते वर्ष नवंबर से लाल सागर और आसपास के इलाकों में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं. वे जाहिर तौर पर गाजा में इजरायल के सैन्य हमले के जवाब में जहाजों को निशाना बना रहे हैं.

अगले सप्ताह पेश होगा देश का नया बजट, जानें इससे जुड़े अनोखे तथ्य

नई दिल्ली । बजट की चर्चा जोरों पर है. अब बस चंद दिनों की बात है, फिर भारत का नया बजट सामने आने वाला है. इस सप्ताह संसद के बजट सत्र की शुरुआत हो रही है. इस सत्र के दौरान इसी सप्ताह 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नया बजट पेश करने वाली हैं. चुनाव के कारण आएगा अंतरिम बजट यह बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार छठा बजट होगा और इस तरह से वह मोरारजी देसाई की बराबरी करेंगी. चूंकि इस साल लोकसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में यह पूर्ण बजट न होकर अंतरिम बजट होगा. जनवरी-फरवरी में संसद के बजट सत्र के बाद कभी भी लोकसभा चुनावों का ऐलान हो सकता है. मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल मई में पूरा हो रहा है. फरवरी की पहली तारीख को आता है बजट लंबे समय से बजट फरवरी महीने में पेश होता आ रहा है. हालांकि मोदी सरकार के दौरान बजट पेश करने की तारीख बदल गई है. पहले बजट फरवरी महीने की अंतिम तारीख यानी 28 या 29 फरवरी को आता था. अब बजट फरवरी महीने की पहली तारीख यानी 1 फरवरी को पेश होता है. हर साल जनवरी से ही बजट की चर्चा शुरू हो जाती है. लोगों को बजट से उम्मीदें होती हैं. इसके साथ ही बजट से जुड़े अनोखे तथ्य भी निकलकर सामने आते हैं. निर्मला सीतारमण ने की ब्रीफकेस की विदाई भारत के बजट का स्वरूप अब भले ही बदल गया हो, लेकिन हाल-फिलहाल तक भारतीय बजट का चमड़े के ब्रीफकेस के साथ नाता बना हुआ था. वो तो जब निर्मला सीतारमण ने वित्त मंत्री बनने के बाद 2019 में अपना पहला बजट पेश किया तो ब्रीफकेस की विदाई हो गई. उन्होंने 2019 में पारंपरिक लाल ब्रीफकेस की जगह लाल बही-खाते में बजट पेश किया. 160 सालों में नहीं बदली बस ये एक चीज भारतीय बजट का इतिहास 150 साल से भी ज्यादा पुराना है. 1857 की क्रांति के बाद जब ब्रिटिश सरकार ने भारत का प्रशासन ईस्ट इंडिया कंपनी से अपने हाथों में ले लिया था, उसके बाद 1860 में भारत का पहला बजट आया था. आजाद भारत में पहला बजट 26 नवंबर 1947 को आया था. दशकों पुराने हो चुके इस सफर में बजट में कई बदलाव हुए हैं. अब तो बजट पेपरलेस और डिजिटल भी हो चुका है. हालांकि इतने सालों में जो एक चीज नहीं बदली है, वह है बजट का मतलब. बजट का मतलब सरकार की कमाई और खर्च का लेखा-जोखा.

2.25 करोड़ पहुंची पंजीकृत छात्रों की संख्या, आज यहां देख सकेंगे कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) का सातवां संस्करण आज, 29 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह 11 बजे छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करेंगे। पीपीसी 2024 का आयोजन भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया जाएगा।परीक्षा पे चर्चा 2024 को दूरदर्शन पर डीडी नेशनल, डीडी न्यूज और डीडी इंडिया के साथ-साथ प्रमुख निजी चैनलों के माध्यम से लाइव देखा जा सकता है। इस कार्यक्रम को शिक्षा मंत्रालय के यूट्यूब चैनल, फेसबुक लाइव और स्र्थश्व के ट्विटर अकाउंट पर भी देखा जा सकता है। कार्यक्रम का प्रसारण

रेडियो चैनलों जैसे (ऑल इंडिया रेडियो मीडियम वेव, ऑल इंडिया रेडियो एफएम चैनल), पीएमओ, शिक्षा मंत्रालय, दूरदर्शन, MyGov.in की वेबसाइटों पर लाइव वेब स्ट्रीमिंग के माध्यम से भी किया जाएगा। छात्रों के साथ अपनी वार्षिक परीक्षा पे चर्चा से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि यह शिक्षा और परीक्षाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने का एक अच्छा माध्यम बन गया है। अपने मासिक मन की बात प्रसारण में, मोदी ने कहा कि इस वर्ष 2.25 करोड़ से अधिक छात्रों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। 2018 में जब यह कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया गया था तो यह संख्या केवल 22,000 थी। प्रधान मंत्री ने कहा कि यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसका वह हमेशा इंतजार करते थे क्योंकि इससे उन्हें छात्रों के साथ बातचीत करने का मौका मिलता है और वह उनके परीक्षा संबंधी तनाव को कम करने का भी प्रयास करते हैं। कार्यक्रम के दौरान लगभग 3,000 छात्र पीएम मोदी के साथ बातचीत करेंगे। पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, 205.62 लाख से अधिक छात्रों, 14.93 लाख शिक्षकों और 5.69 लाख अभिभावकों ने परीक्षा पे चर्चा 2024 के लिए नामांकन किया है। इसके अलावा, कला उत्सव के विजेताओं के साथ-साथ प्रत्येक राय और एक केंद्र शासित प्रदेश से दो छात्रों और एक शिक्षक को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। प्रतिभागियों का चयन 11 दिसंबर, 2023 से 12 जनवरी, 2024 तक पोर्टल पर एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया था। चयनित प्रतिभागियों को एक परीक्षा पे चर्चा किट मिलेगी, जिसमें प्रधान मंत्री द्वारा एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक और एक प्रमाण पत्र शामिल होगा। पिछले साल इस कार्यक्रम में 31.24 लाख छात्र, 5.60 लाख शिक्षक और 1.95 लाख अभिभावक शामिल हुए थे। परीक्षा पे चर्चा बोर्ड परीक्षा में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को परीक्षा के तनाव और संबंधित मुद्दों पर उनके प्रश्नों का उत्तर देकर मदद करने के लिए पीएम मोदी की एक पहल है।

खेल/प्राणायाम/अरोग्य

इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया को झटका

मुंबई । भारत को इंग्लैंड हैदराबाद में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच में 28 रनों से हरा दिया. टीम इंडिया ने पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया था. लेकिन दूसरी पारी में लड़खड़ा गई. भारत की हार के बाद उसके लिए एक और बुरी खबर है. रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा मैच के दौरान दिक्कत का सामना कर रहे थे. उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है. जडेजा अगर अगले मैच से पहले फिट नहीं हुए तो टीम से बाहर हो सकते हैं.दरअसल जडेजा टीम इंडिया की दूसरी पारी के दौरान रन लेने के दौड़ रहे थे. इसके ठीक बाद वे दिक्कत का सामना करते दिखे. एक खबर के मुताबिक जडेजा मांसपेशियों में खिंचाव की दिक्कत से जूझ रहे हैं. लेकिन इसको लेकर फिलहाल किसी भी तरह का आधिकारिक अपडेट नहीं मिला है. टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने भी इस पर कुछ खास नहीं बताया. द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे अभी तक फिजियो से बात करने का मौका नहीं मिला है. मैं वापस जाकर बात करूंगा और देखूंगा कि क्या हुआ है. जडेजा ने भारत की पहली पारी के दौरान शानदार बैटिंग की थी. उन्होंने 180 गेंदों का सामना करते हुए 87 रन बनाए थे. इस दौरान 7 चौके और 2 छक्के लगाए थे. जडेजा दूसरी पारी में कुछ खास नहीं कर सके. वे 2 रन बनाकर रन आउट हो गए थे. उन्होंने बैटिंग के साथ-साथ बॉलिंग में भी कमाल दिखाया. जडेजा ने इंग्लैंड की पहली पारी में 3 विकेट झटके थे. उन्होंने 18 ओवरों में 88 रन दिए थे. इसके बाद दूसरी पारी में 2 विकेट लिए. उन्होंने 34 ओवरों में 131 रन दिए. बता दें कि इंग्लैंड ने हैदराबाद टेस्ट मैच की पहली पारी में 246 रन और दूसरी पारी में 420 रन बनाए थे. टीम इंडिया ने इसके जवाब में पहली पारी में 436 रन और दूसरी पारी में 202 रन बनाए थे.

भारत को हैदराबाद में 14 साल बाद मिली हार, इंग्लैंड ने इस तरह जीती हारी बाज

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीद 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम (में खेला गया । इस मैच को इंग्लैंड ने 28 रनों से जीत लिया है। दूसरी पारी में इंग्लैंड के द्वारा शानदार गेंदबाजी देखने को मिली। टॉम हार्टले ने दूसरी पारी में खतरनाक गेंदबाजी करते हुए 7 विकेट अपने नाम किए। इस मैच को जीतने के लिए टीम इंडिया के सामने 231 रनों का लक्ष्य था। भारत के सामने जीत के लिए 231 रनों का लक्ष्य था। जिसके जवाब में टीम इंडिया मैच के चौथे दिन 202 रनों पर ऑलआउट हो गई। दूसरी पारी में भारत की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 39 रनों की पारी खेली। इसके अलावा आर अश्विन और केएस भरत ने 28-28 रन बनाए। एक समय जब आर अश्विन और केएस भरत बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था टीम इंडिया मैच को जीत लेगी। लेकिन ऐसा हो न सका। हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में टीम इंडिया की तरफ से शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली थी। पहली पारी में भारत की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक लगाए थे, लेकिन दूसरी पारी में ये तीनों ही बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए। दूसरी पारी में जायसवाल ने 15, केएल राहुल ने 22 और जडेजा ने 2 रन बनाए। दूसरी पारी में इंग्लैंड की तरफ से शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली। इंग्लैंड की तरफ से दूसरी पारी में ओली पोप ने 196 रनों की पारी खेली। जिसके चलते इंग्लैंड 420 रन बनाने में कामयाब रही। अब पहले टेस्ट मैच को जीतकर इंग्लैंड ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए योगासन, नियमित अभ्यास से ठंडक से मिलेगी राहत

सर्दियों में खुद को गर्म रखने के लिए लोग रजाई में बैठे रहते हैं, बहुत सारे ऊनी कपड़े, अंगीठी या हीटर का उपयोग करते हैं। हालांकि बहुत अधिक ठंड बढ़ने के कारण यह सारे उपाय शरीर को अंदर से गर्माहट नहीं दे पाते सर्दी के कारण शरीर ठंडा रहता है और ठिठुरन महसूस करता है। अगर शरीर को गर्माहट न मिले तो सर्दी-जुकाम या बुखार होने की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में शरीर को गर्माहट पहुंचाने के लिए योगासन फायदेमंद है। कुछ योगासन शरीर को अंदरूनी तौर पर गर्म रखने में मदद करते हैं, साथ ही मौसमी बीमारियों से बचाव करते हैं। यहां सर्दी में शरीर गर्म रखने के योगासन दिए जा रहे हैं।मैट पर पीठ के बल लेटकर हाथों को बगल में रखें। अब धीरे-धीरे अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर हिप्स के पास ले आएं। हिप्स को जितना हो सके फर्श से ऊपर की तरफ उठाएं। कुछ देर के लिए इस स्थिति में सांस को रोककर रखें और फिर सांस छोड़ते हुए वापस पूर्ववत अवस्था में आ जाएं।सर्वांगासन करते समय पीठ के बल लेट जाएं। दोनों पैर आपस में जोड़ते हुए बांहों और हथेलियों को जमीन की दिशा में रखें। हथेलियों से जमीन को दबाते हुए दोनों पैरों को छत की दिशा में सीधी उठाएं। हिप्स और कमर को जमीन से ऊपर उठाते हुए कोहनी को मोड़कर कमर पर रखें। अपने हाथों से सहारा देकर शरीर को 90 अंश के कोण में रखें। कुछ सेकेंड इसी अवस्था में रहें।सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अब पैरों को कंधे की चौड़ाई से अलग करते हुए घुटनों को मोड़ लें। हथेलियों को खोले और हाथ बिल्कुल सीधा जमीन पर सटा लें। सांस लेते हुए कमर के हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं और कंधे व सिर को सपाट जमीन पर टिका कर रखें। बाद में सांस छोड़ते हुए पुरानी स्थिति में आ जाएं।इस योग के अभ्यास के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेटें और हाथों को शरीर के बगल में रखें। गहरी सांस लें और अपनी छाती और पैरों को ऊपर उठाएं। बाहों को अपने पैरों की ओर फैलाएं। आपकी आंखें, उंगलियां और पैर की उंगलियां एक सीध में होनी चाहिए। पेट की मांसपेशियों पर दबाव बनाने के लिए अपने नाभि क्षेत्र में तनाव महसूस करें। कुछ समय तक इस स्थिति में बने रहें और फिर पूर्ववत आ जाएं।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा पहुंचे कटनी

कटनी बीजेपी कार्यालय में जनसवाद केंद्र का उद्घाटन किया

कटनी, कटनी जिले पहुंचे बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और खुजराहों के सांसद वी डी शर्मा से जैसे ही पत्रकारों ने सवाल किया की बीजेपी की सरकार ने जब जीते हुए प्रतिनिधि के पति और रिश्तेदार को विभाग में हस्तक्षेप करने के लिए मना किया गया है तब भी कटनी जिले में महापौर के पति संजीव सूरी द्वारा लगातार नगर नियम के अधिकारी व कर्मचारियों पर दबाव बनाकर कार्यों में हस्तक्षेप किया जा रहा है इस सवाल को सुनते ही वी डी शर्मा भागते नजर आए और भागते भागते उन्होंने यह कहा की यह सब नेचुरल है चिंता मत करो..। इस तरह के सवाल से प्रतीत होता है की खुजराहों के सांसद कटनी महापौर प्रीति सूरी के पति संजीव सूरी के द्वारा नगर निगम के कार्य में किए जा रहे हस्तक्षेप का समर्थन कर रहे है। कटनी पहुंचे खुजराहों के सांसद ने सबसे पहले कटनी बीजेपी कार्यालय में जनसवाद केंद्र का उद्घाटन किया जिसके बाद वह वैश्य समाज के सम्मेलन के कार्यकर्म में पहुंचे और इसके बाद नगर निगम सीमा में होने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन करने पहुंचे और मंच से

कटनी में होने वाले विकास कार्यों के बताते हुए बताया की बीजेपी की सरकार ने विकास का संकल्प लिया है और वह लगातार विकास करते रहेगी वही कटनी जिले में भी होने वाले विकास कार्य के बारे में कहा की कटनी जिले में कई खदाने है और इस खदानों से कई व्यापारी करोड़ों रुपए कमाए है और इस विकास कार्य में उनका भी सहारा लेने के लिए वह प्रयास करेंगे और कटनी और विकास किया जाएगा।.. वही कटनी जिले के बीजेपी कार्यालय में जब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और खुजराहों के सांसद वी डी शर्मा से पत्रकारों ने सवाल किया की बीजेपी की सरकार ने जब जीते हुए प्रतिनिधि के पति और रिश्तेदार को नगर निगम और सरकारी विभाग में हस्तक्षेप करने के लिए रोक लगाई है, इसके बाद भी कटनी जिले में महापौर प्रीति सूरी के पति संजीव सूरी द्वारा लगातार नगर नियम के अधिकारी व कर्मचारियों पर दबाव बनाकर कार्यों में हस्तक्षेप किया जा रहा है इस सवाल को सुनते ही बीडी शर्मा भागते नजर आए और भागते भागते उन्होंने यह कहा की यह सब नेचुरल है चिंता मत करो..। इस तरह के सवाल से प्रतीत होता है की खुजराहों के सांसद कटनी महापौर प्रति सूरी की पति संजीव सूरी के द्वारा नगर निगम के कार्य में किए जा रहे हस्तक्षेप का समर्थन कर रहे है।...कटनी पहुंचे खुजरो के सांसद वी डी शर्मा ने जिले कई सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

केजेएस सीमेंट में खेलकूद स्पर्धाओं का शुभारंभ

क्रिकेट मैच में चेयरमैन इलेवन विजेता

सतना, केजेएस सीमेंट राजनगर मैहर में सालाना खेलकूद प्रतियोगिताओं की शुरुआत विगत दिवस डे - नाइट क्रिकेट मैच के साथ हुई । क्रिकेट मैच प्रबंधन की टीम चेयरमैन इलेवन एवं संविदाकारों की टीम भंवरलाल इलेवन बीच हुआ जिसमें चेयरमैन इलेवन ने विजय प्राप्त की । कम्पनी के चेयरमैन श्री पवन अहलूवालिया ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि कम्पनी में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किए जाने की परंपरा शुरू से ही डाली गई है ताकि इन खेलों से आपसी तालमेल , शिष्टाचार और विश्वास कायम रहे और बढ़े । वास्तव में यह सालाना प्रतियोगिताएं हमारी औद्योगिक ताकत और एकजुटता को प्रदर्शित करती हैं ।उद्घाटन मैच में चेयरमैन पवन अहलूवालिया की कप्तानी में खेली चेयरमैन इलेवन ने 91 रन बनाये जिसके जबाब में संविदाकार भंवरलाल नगरिया की कप्तानी में खेली भंवरलाल इलेवन 84 रन ही बना सकी और 7 रन से मैच हार गई मैच 12-12 ओवर का था मैन ऑफ द मैच चेयरमैन इलेवन के विकेटकीपर कर्नल (रि) नीरज वर्मा रहे । चेयरमैन इलेवन की ओर से ज्ञान शुक्ला , शैलेन्द्र नेमा , गुलशन अरोरा , राजीव भल्ला , राजपाल सिंह राणा , टी.सी.जैन , केएस सिंघवी , बीके ठाकुर ,

मनीष प्रसाद , सत्येंद्र राय , डा . टीएस बघेल , महेश गुप्ता , अखिलेश सिंह , शैलेन्द्र सिंह , बिरंचि गाइन एवं धर्मेन्द्र साहू ने मैच में भाग लिया ।संविदाकारों की टीम में भंवरलाल सहित गुड्डा पटेल , विकास तिवारी , महेंद्र जैन , अभयराज पटेल , वीरेन्द्र द्विवेदी , आनंद चतुर्वेदी , प्रभात सिंह , महेन्द्र भट्ट , अजय पटेल , मुन्ना लाल , रोहित लोधी , अजय सिंह बेल्दरा , केपी पटेल एवं हर्ष चौरसिया शामिल रहे । केजेएस सीमेंट में 2012 से प्रारंभ इन वार्षिक खेलों के आयोजन का यह तेरहवां साल है जिनका आयोजन लगातार हो रहा है इनका शुभारम्भ क्रिकेट मैच से होता है जिसमें कंपनी के शीर्षस्थ अधिकारियों सहित सामान्य कर्मचारी भी भाग लेते हैं । क्रिकेट टूर्नामेंट में विभिन्न विभागों से मिलकर बनीं आठ टीमें भाग ले रही हैं । खेलकूद आयोजन समिति में धीरज श्रीवास्तव , विनय सिंह , डा टीएस बघेल , दीपक द्विवेदी , हिमांशु सिंह , एमके सिंह , आनंद निगम , वीरेश पाण्डेय , अशोक भट्ट , संजय सिंह , हरीश पाण्डेय एवं अरविंद साहू शामिल हैं जिन पर क्रिकेट , वालीबॉल , बैडमिंटन , कैरम , शतरंज , लेडीज क्रिकेट एवं चिल्ड्रेन साइकिल रेस के आयोजन की जिम्मेदारी है । एचआर प्रमुख मनीष प्रसाद के निर्देशन में एचआरटीम ने पूरे दिन भर चले उत्सव का सफल आयोजन किया जिसमें एचआर महाप्रबंधक राजेश शर्मा , विवेक मिश्र , पीयूष त्रिपाठी , गजेन्द्र सिंह , मनीष सिंह मोनू , वैभव श्रीवास्तव , अबरार खान , अजयकांत त्रिपाठी , देवेन्द्र सिंह नेगी एवं जनसंपर्क अधिकारी निरंजन शर्मा का योगदान उल्लेखनीय रहा।

विशेष भोज में उपयोग की गई सामग्री तथा बाजार से क्रय लड्डू की गुणवत्ता की जांच के दिए निर्देश

फूड प्वाइजनिंग में दोषी पाए गए समूह को दायित्व से कलेक्टर रीवा ने किया पृथक

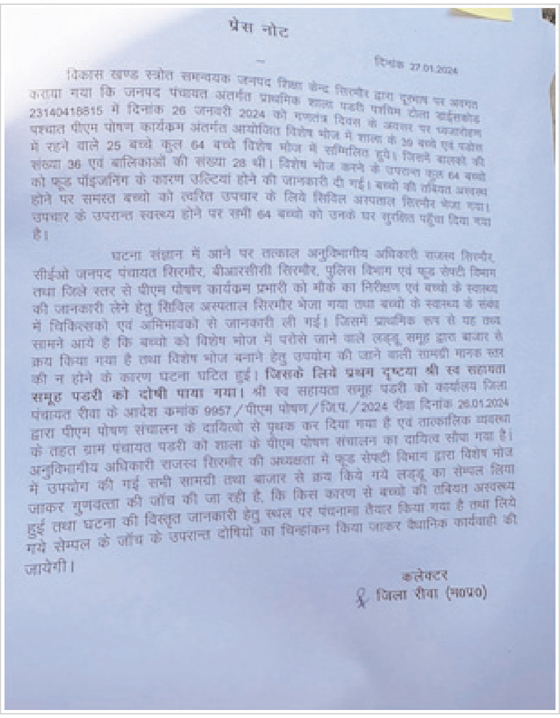

प्रेस नोट

दिनांक 27.01.2024

विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र सिरमौर द्वारा दूरभाष पर अवगत कराया गया कि जनपद पंचायत अंतर्गत प्राथमिक शाला पड़री पश्चिम टोला डाईसकोड 23140418815 में दिनांक 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण पश्चात पीएम पोषण कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित विशेष भोज में शाला के 39 बच्चे एवं पड़ोस में रहने वाले 25 बच्चे कुल 64 बच्चे विशेष भोज में सम्मिलित हुये। जिसमें बालकों की संख्या 36 एवं बालिकाओं की संख्या 28 थी। विशेष भोज करने के उपरान्त कुल 64 बच्चो को फूड पॉइजनिंग के कारण उल्टियां होने की जानकारी दी गई। बच्चो की तबियत अस्वस्थ होने पर समस्त बच्चो को त्वरित उपचार के लिये सिविल अस्पताल सिरमौर भेजा गया। उपचार के उपरान्त स्वस्थ्य होने पर सभी 64 बच्चो को उनके घर सुरक्षित पहुँचा दिया गया है।

घटना संज्ञान में आने पर तत्काल अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिरमौर, सीईओ जनपद पंचायत सिरमौर, बीआरसीसी सिरमौर, पुलिस विभाग एवं फूड सेफ्टी विभाग तथा जिले स्तर से पीएम पोषण कार्यक्रम प्रभारी को मौके का निरीक्षण एवं बच्चो के स्वास्थ्य की जानकारी लेने हेतु सिविल अस्पताल सिरमौर भेजा गया तथा बच्चो के स्वास्थ्य के संबंध में चिकित्सको एवं अभिभावको से जानकारी ली गई। जिसमें प्राथमिक रूप से यह तथ्य सामने आये है कि बच्चो को विशेष भोज में परोसे जाने वाले लड्डू समूह द्वारा बाजार से क्रय किया गया है तथा विशेष भोज बनाने हेतु उपयोग की जाने वाली सामग्री मानक स्तर की न होने के कारण घटना घटित हुई। **जिसके लिये प्रथम दृष्टया श्री स्व सहायता समूह पड़री को दोषी पाया गया।** श्री स्व सहायता समूह पड़री को कार्यालय जिला पंचायत रीवा के आदेश क्रमांक 9957/पीएम पोषण/जि.प./2024 रीवा दिनांक 26.01.2024 द्वारा पीएम पोषण संचालन के दायित्वो से पृथक कर दिया गया है एवं तात्कालिक व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत पड़री को शाला के पीएम पोषण संचालन का दायित्व सौंपा गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिरमौर की अध्यक्षता में फूड सेफ्टी विभाग द्वारा विशेष भोज में उपयोग की गई सभी सामग्री तथा बाजार से क्रय किये गये लड्डू का सेम्पल लिया जाकर गुणवत्ता की जाँच की जा रही है, कि किस कारण से बच्चो की तबियत अस्वस्थ हुई तथा घटना की विस्तृत जानकारी हेतु स्थल पर पंचनामा तैयार किया गया है तथा लिये गये सेम्पल के जाँच के उपरान्त दोषियों का चिन्हांकन किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

कलेक्टर
जिला रीवा (म0प्र0)

सतना/ रीवा, गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्राथमिक शाला पड़री में विशेष भोज में शामिल 64 बच्चों को फूड प्वाइजनिंग के कारण उल्टियाँ होने लगी थीं जानकारी मिलने पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग की टीम को बच्चों के त्वरित उपचार के लिए भेजा जहा सिविल अस्पताल सिरमौर में उपचार के बाद बच्चों के स्वस्थ होने पर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचा दिया गया कलेक्टर ने विशेष भोज में परोसे जाने वाले लड्डू के बाजार से क्रय किए जाने तथा विशेष भोज बनाने हेतु उपयोग की जाने वाली सामग्री मानक स्तर की न होने पर श्री स्वसहायता समूह को दोषी पाते हुए पीएम पोषण संचालन के दायित्वों से पृथक करने के निर्देश दिए तथा तात्कालिक व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत पड़री को विद्यालय के पीएम पोषण संचालन का दायित्व सौंपा कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिरमौर की अध्यक्षता में फूड सेफ्टी विभाग द्वारा विशेष भोज में उपयोग की गई सभी सामग्री तथा बाजार से क्रय किए गए लड्डू का सेंपल लेकर गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिए उनके निर्देश पर जांच की जा रही है तथा बच्चों की तबियत अस्वस्थ होने के संबंध में स्थल से पंचनामा भी तैयार कराया गया है सेंपल की जाँच के उपरांत दोषियों का चिन्हांकन किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी.

प्रधानमंत्री जी का परीक्षा पे चर्चा विधार्थियो से करेंगे संवाद

सतना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2018 से विद्यार्थियों के परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से संवाद किया जाता है। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन 29 जनवरी को प्रात: 11 बजे भारत मंडपम प्रगति मैदान नई दिल्ली में किया जाएगा जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक सहभागिता करेंगे। सतना और मैहर जिले के सभी विद्यालयों में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया जायेगा। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के कार्यक्रम में सांसद गणेश सिंह, कलेक्टर अनुराग वर्मा उपस्थित रहेंगे। मैहर जिले के एकलव्य आवासीय विद्यालय के कार्यक्रम में कलेक्टर मैहर रानी बाटड सहित जनप्रतिनिधि, विद्यालयीन छात्र-छात्रायें और उनके अभिभावक उपस्थित रहेंगे। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का दूरदर्शन, डीडी नेशनल, डीडी न्यूज़, डीडी इंडिया से लाइव

प्रसारण होगा एवं ऑल इंडिया रेडियो के सभी चैनल, पीएमओ वेबसाइट उलहवअण्पद, यूट्यूब एमओई, फेसबुक लाइव, स्वयंप्रभा चैनल, दीक्षा चैनल एमओई से भी सीधा प्रसारण होगा। इस कार्यक्रम के लिए विगत एक माह पहले से ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के रजिस्ट्रेशन कराए जा रहे थे। म.प्र. बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं का आयोजन भी 5 व 6 फरवरी से किया जा रहा है। अत: विद्यार्थियों के तनाव प्रबंधन में माननीय प्रधानमंत्री जी का यह कार्यक्रम बहुत ही कारगर साबित हो सकता है। इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 6वीं से 12वीं के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में सहभागिता हेतु विद्यालयों में बड़ी स्क्रीन अथवा टीवी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रदेश के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं शासन से अनुदान प्राप्त विद्यालयों में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को एक महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के इस लाइव प्रसारण में विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकों की सामूहिक रूप से सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

नेत्रदान कर अमर हो गयीं हरजीत कौर भाटिया, अब दो लोगो की अंधेरी दुनिया होगी रोशन

सतना, प्रेम नगर निवासी श्रीमती हरजीत कौर भाटिया जी (पति सरदार राजेंद्र सिंह भाटिया) का आकस्मिक निधन हो गया। पवन मलिक एवं जसविंदर सिंह भाटिया बब्बल ने नेत्र दान कराने परिजनों से संपर्क किया। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स के सहयोग से सद्गुरु सिटी आई क्लिनिक की सजग टीम के सुरेश पटेल व दिनेश द्वारा नेत्रदान कराया गया। भाटिया परिवार ने पीड़ित मानवता की सेवा हेतु सर्वोत्तम दान नेत्रदान का मानस बनाया एवं पूरे परिवार की सहमति से नेत्र दान से दो लोगों की अंधेरी दुनिया रोशन होगी। इस लोकोपकारी दान हेतु लायंस क्लब ने नेत्रदाता परिजनों सरदार राजेंद्र सिंह भाटिया (पति), जगदीप सिंह भाटिया दीपू, गुरुमीत सिंह भाटिया हनी (पुत्र) के प्रति साधुवाद ज्ञापित किया है। साथ ही पुण्य आत्मा की शांति के लिए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

दिल्ली की महापौर ने स्थायी समिति की शक्तियों के हस्तांतरण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया

नई दिल्ली, दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने पैनल गठित होने तक स्थायी समिति के कार्यों का संचालन दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा करने की अनुमति देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है.इस घटनाक्रम से करीब एक पखवाड़ा पहले एमसीडी के एक विशेष सत्र के दौरान ओबेरॉय ने सदन में स्थायी समिति की शक्तियों को सदन को सौंपने का प्रस्ताव रखा था, जबकि भाजपा सदस्यों ने इस कदम का विरोध करते हुए हंगामा किया था. भाजपा ने आरोप लगाया था कि यह कदम अवैध और असंवैधानिक था. याचिका में उपरायपाल (एलजी) कार्यालय को प्रतिवादी बनाया गया है और इसमें नगर निकाय के सुचारु कामकाज के लिए निर्देश देने की मांग की है. इसमें कहा गया कि 17 मई, 2023 को शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार की सहायता और सलाह के बिना एमसीडी में नामांकित व्यक्तियों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. ओबेरॉय ने अपनी याचिका में कहा, नामांकित व्यक्तियों की नियुक्तियों की वैधता का निर्णय स्थायी समिति के 18 सदस्यों में से 12 के चुनाव पर सीधे और महत्वपूर्ण रूप से प्रभाव डालेगा, यानी यह सीधे तौर पर इसके भीतर विशेष बहुमत का निर्धारण करेगा. इसलिए स्थायी समिति का गठन अभी तक नहीं किया जा सका है. याचिका में कहा गया है कि एमसीडी शक्ति और जवाबदेही, दोनों ही लिहाज से स्थायी समिति से बेहतर निकाय है, इसलिए यह उचित होगा कि पैनल के कानूनी रूप से गठित होने तक समिति के कार्यों का संचालन एमसीडी द्वारा किया जाए.

बेलगाम ट्रक ने युवक को रौंदा, प्रशासन बराबर का जवावदार!

क्या अब भी उसी चिर परिचित निद्रा में सोता रहेगा प्रशासन!

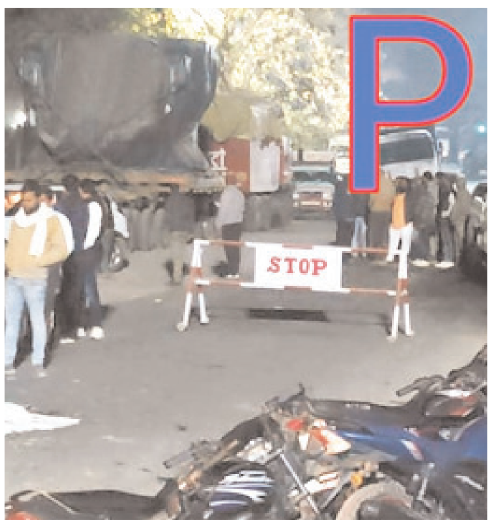

मैहर, मामला मैहर के सरलानगर का जहां पवन पटेल निवासी सोनवारी को दैत्याकार ओवरलोड ट्रक ने कुचल दिया जिसकी मौके में मौत हो गई,सोसल मीडिया में लगातार भटूरा से आ रहे ओवरलोड ट्रको की खबर प्रकाशित की जा रही थी,सीएम हेल्पलाइन में दर्जनों शिकायते ग्रामीणों ने की तो पक्षधर प्रशासन ने शिकायतो का फोर्स क्लोज कर दिया,आज मैहर प्रशासन की अनदेखी ने युवक की जान ले ली,लोगो का कहना है आम जनता की फिक्र छोड़ प्रशासन हर समय कारोबारियों का पक्षधर बनकर खड़ा हो जाता है जिस कारण ऐसे घटनाएं होती है,लोगो के घर का चिराग बुझ जाता है जिसमे देश भक्ति जन सेवा की कसम खाकर ड्यूटी करने वालो का महत्वपूर्ण योगदान है,सूत्र बताते है भटूरा से प्रिज्म जाने वाले ट्रक ने युवक को बेरहमी से कुचला है,हजारों दफा लोगो ने लिखित मौखिक शिकायत की उसके बाद न जागने वाला प्रशासन तेज रफ्तार से पत्थर लेकर दौड़ रहे बेलगाम ओवरलोड वाहनों पर कार्यवाही करने की जगह इन वाहनों का विरोध करने वाले लोगो को डराता धमकाता है!

रिपोर्ट में खुलासा: साल 2023 में चीन के 230 से अधिक होम डेवलपर्स हुए दिवालिया

बीजिंग- चीन में आर्थिक संकट के बीच अनुमानित 233 होम डेवलपर्स ने पिछले साल दिवालियापन के लिए आवेदन दायर किया। ताइवान न्यूज़ ने चाइना रियल एस्टेट एसोसिएशन के हवाले से बताया कि झेजियांग प्रांत से सबसे अधिक 36 आवेदन प्राप्त हुए, जो देश के कुल का 15.45 प्रतिशत है। हुनान और गुआंगडोंग प्रांत क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में दिवालिया होने की संख्या 2020 के बाद से सबसे कम थी। 2020 में, कोविड-19 महामारी के पहले वर्ष में, 408 होम डेवलपर्स ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया, 2021 में 343 और 2022 में 308 ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया। आर्थिक मंदी के कारण तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में होम डेवलपर्स को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। फिर भी, रिपोर्ट के अनुसार, दिवालियेपन का समग्र प्रभाव सीमित होने की उम्मीद है। चीन स्थित सीआरआईसी सिक्योरिटीज के अनुसंधान विभाग ने संकेत दिया कि चीन में घर की बिक्री 2023 में घटती रही और अनुकूल नीतियों के बावजूद 2024 में चुनौतियां बनी रहेंगी। कम उपभोक्ता विश्वास और इन्वेंट्री ओवरहैंग का मतलब है कि चीन का आवास बाजार लंबे समय तक सुस्त रह सकता है।पिछले साल की शुरुआत में, एक अमेरिकी-आधारित समाचार दैनिक ने बताया था कि चीन के आसपास निर्माण स्थल कम व्यस्त दिखाई देते हैं और अपार्टमेंट टावरों का निर्माण अपार्टमेंट की कीमतों में गिरावट के कारण लड़खड़ा गया है। चीन भर के 70 बड़े और मध्यम आकार के शहरों में नए अपार्टमेंट की कीमतों के लिए जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए, गोल्डमैन सैक्स ने गणना की कि अगस्त में मौसमी रूप से समायोजित वार्षिक दर 2.9 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि जुलाई में यह 2.6 प्रतिशत थी। इसके अलावा, डेटा से पता चलता है कि नए अपार्टमेंट की कीमत में गिरावट की गति और सीमा काफी कम है, हालांकि, स्थानीय सरकारों ने डेवलपर्स पर कीमतों में कटौती न करने के लिए भारी दबाव डाला है। तियानजिन अनुसंधान फर्म, बेइके रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, चीन भर के 100 शहरों में मौजूदा घरों की कीमतें दो साल पहले के अपने चरम से अगस्त की शुरुआत तक औसतन 14 प्रतिशत गिर गईं। किराये में 5 फीसदी की गिरावट आई है। इसके अलावा, चीन का बैंकिंग सेक्टर डिफॉल्टरों से लिए गए कर्ज की अदायगी से भी जूझ रहा है क्योंकि बैंकों ने प्रॉपर्टी डेवलपर्स को जो कर्ज दिया था, वह भी डिफॉल्ट हो चुका है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, डिफॉल्टरों से ऋण की तत्काल अदायगी के पीछे मुख्य बाधा स्थानीय सरकारों और उनके वित्तीय सहयोगियों को दिए गए ऋण की भागीदारी है। इससे पहले, केंद्रीय बैंक, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने घोषणा की थी कि वह बैंकों को छोटे भंडार अलग रखने और अधिक ऋण देना शुरू करने के लिए स्वतंत्र कर रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस कदम को व्यापक रूप से बांड के एक बड़े बैच को समायोजित करने के उद्देश्य से देखा गया था, जिसे स्थानीय और प्रांतीय सरकारें अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के भुगतान के लिए जारी करेंगी।

जॉर्डन में ड्रोन हमले में 3 अमेरिकी सैनिकों की मौत

बाइडेन ने बदला लेने की खाई कसम

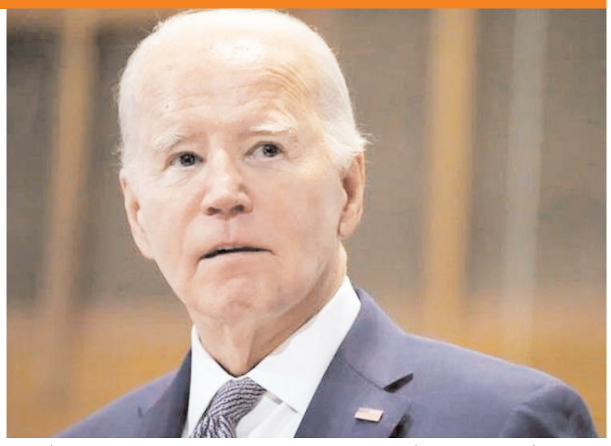

कोलंबिया: अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रविवार को कहा कि जॉर्डन में एक ड्रोन हमले में अमेरिकी सशस्त्र बलों के तीन सदस्यों की मौत हो गई और 'कई घायल हुए हैं। बाइडेन ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। गाजा में इजराइल-हमास युद्ध के बीच ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा पश्चिम एशिया में अमेरिकी बलों के खिलाफ महीनों से जारी हमलों में पहली बार अमेरिकी नागरिक हताहत हुए हैं जिससे क्षेत्र में इस तनाव के गहराने का खतरा बढ़ गया है। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका "अपने चुने गए समय और तरीके से उन सभी को जवाबदेह ठहराएगा। जॉर्डन ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है जिसकी सीमाएं इराक, इजराइल, फलस्तीनी क्षेत्र के वेस्ट बैंक, सऊदी अरब और सीरिया से लगी हुई हैं। अमेरिकी सुरक्षा बल लंबे समय से अपने आधार शिविर के तौर पर जॉर्डन का इस्तेमाल करते रहे हैं। अमेरिका के करीब 3,000 सैनिक जॉर्डन में तैनात हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन ज्यां-पियरे ने बताया कि बाइडेन को रविवार सुबह हमले की जानकारी दी गई।

मालदीव की संसद में जमकर चले लात-घूंसे, सांसदों के बीच हुई मारपीट

इंटरनेशनल डेस्क: मालदीव की संसद में रविवार को चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के मंत्रिमंडल में चार सदस्यों को मंजूरी देने पर हुए मतभेद को लेकर सरकार समर्थक सांसदों और विपक्षी सांसदों के बीच झड़प हो गई। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, मुख्य विपक्षी दल 'मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी% (एमडीपी) ने कैबिनेट पर मतदान से पहले राष्ट्रपति मुइज्जू के मंत्रिमंडल के चार सदस्यों की संसदीय मंजूरी रोकने का फैसला किया। इसके बाद सरकार समर्थक सांसदों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे संसदीय बैठक की कार्यवाही बाधित हो गई। खबरों के अनुसार, झड़प के दौरान कांदिथीमू से सांसद अब्दुल्ला शहीम अब्दुल हकीम शहीम और केंदीकुलहुधू से सांसद अहमद ईसा के बीच हाथापाई हुई। खबरों में बताया गया कि हाथापाई के दौरान दोनों सांसद चैंबर के पास गिर गए, जिससे शहीम के सिर पर भी चोटें आईं। अल्पसंख्यक नेता मूसा सिराज ने विवाद को रोकने का प्रयास किया। खबरों के मुताबिक, शहीम को अस्पताल ले जाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सांसद, अध्यक्ष (स्पीकर) की कुर्सी के पास इकट्ठा होते हुए और हाथापाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर, उत्तर भारत में कोहरा छाया

कम दृश्यता के कारण ट्रेनों और उड़ानों में देरी

नई दिल्ली- दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र, उत्तर प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में सोमवार को शीत लहर की स्थिति और कोहरे के कारण ट्रेन और उड़ान सेवाएं बाधित हुईं। कम दृश्यता के कारण राष्ट्रीय राजधानी आने-जाने वाली कई ट्रेनें विलंबित रहीं। देश के कुछ हिस्सों में कोहरे की स्थिति देखी गई ट्वीट्स की एक श्रृंखला में, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों और बिहार के अलग-अलग हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा देखा गया। आईएमडी ने कहा, जहां पंजाब, दिल्ली और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में मध्यम कोहरा छाया रहा, वहीं राजस्थान, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हल्का कोहरा देखा गया। देश के कुछ हिस्सों में कम दृश्यता आईएमडी के मुताबिक, पटियाला, पटना, ग्वालियर और सफदरजंग में दृश्यता 200 मीटर दर्ज की गई. इस बीच, अमृतसर, सफदरजंग, जयपुर, गंगानगर, गया, भागलपुर, झारसीगुड़ा, पुरी और जिजयवाड़ा में दृश्यता 500 मीटर रही। वहीं, बरेली, बहराईच, गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, सुल्तानपुर और पूर्णिया में विजिबिलिटी काफी कम दर्ज की गई.

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच इस्लामाबाद पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री

इस्लामाबाद- ईरान और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव के बीच पाकिस्तान के समकक्ष जलील अब्बास जिलानी के निमंत्रण पर ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन सोमवार को इस्लामाबाद पहुंचे। नूर खान एयरबेस पर पहुंचने पर, ईरानी विदेश मंत्री का अफगानिस्तान और पश्चिम एशिया के लिए पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव रहीम हयात कुरेशी ने स्वागत किया। सूचना के मुताबिक अपनी यात्रा के दौरान, अब्दुल्लाहियन संबंधों को पटरी पर लाने के लिए अपने पाकिस्तानी समकक्ष जिलानी और पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर के साथ ऋण मुद्दे पर चर्चा करेंगे। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने एक्स पर आधिकारिक हैंडल पर पोस्ट कर बताया, %ईरान के विदेश मंत्री अमीरबदोलाहियान, पाक के विदेश मंत्री जलीलजिलानी के निमंत्रण पर इस्लामाबाद पहुंचे हैं। अतिरिक्त विदेश सचिव (अफगानिस्तान और पश्चिम एशिया) रहीमहयात ने नूर खान एयरबेस पर उनका स्वागत किया।% उन्होंने आगे कहा, यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन विदेश मंत्री जिलानी के साथ गहन बातचीत करेंगे और प्रधान मंत्री अनवर उल हक काकर से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि 16 जनवरी को, तेहरान ने दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे। 18 जनवरी को पाकिस्तान ने जवाबी हमले में ईरान के अंदर हमले किए। एक बयान में, पाकिस्तानी सेना ने बताया था कि आतंकवादी संगठन अर्थात् बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) को एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन कोड-नाम %मार्ग बार सरमाचर में सफलतापूर्वक मारा गया। पाकिस्तान ने संबंधों में सुधार पर दिया जोर मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जैसे को तैसा हमले हाल के वर्षों में सीमा पार से होने वाली सबसे बड़ी घुसपैठ थी और 7 अक्तूबर को इज्राइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से मध्य पूर्व में व्यापक अस्थिरता को लेकर चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ईरान स्थिति पर काबू पाने और आतंकवाद-निरोध पर निकट समन्वय में काम करने पर सहमत हुआ। पाकिस्तानी मंत्री ने अपने ईरानी समकक्ष अब्दुल्लाहियन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और दोनों देशों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता पर जोर दिया।

पूर्व पीएम नवाज शरीफ की टोपी ने खड़ा किया नया विवाद

इस्लामाबाद- गरीबी, अनाज और महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को एक लाख की टोपी पहनकर चुनावी रैली करते हुए देखने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि वह पंजाब प्रांत के एक जिले ननकाना साहिब में रैली के दौरान एक लाख पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) से अधिक मूल्य की गुच्ची की टोपी पहने हुए थे। वहीं, नवाज द्वारा पहनी गई टोपी की अत्यधिक कीमत ही रैली का एकमात्र आकर्षण नहीं थी बल्कि कुछ ने टोपी पर धारियों के रंग की ओर भी इशारा किया, जो इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के झंडे के समान था। नवाज शरीफ की गुच्ची टोपी की चौंका देने वाली कीमत को स्थापित करने के लिए, नेटिजन्स ने रसीदों और चालानों का एक संकलन भी दिखाया। देखा जाए तो एक तरफ पाकिस्तान ईंधन, बिजली और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाओं की आसमान छूती कीमतों के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहा है, ऐसे में उनकी यह टोपी अब एक विवाद बन चुकी है। इसलिए लगा था आर्थिक स्थिति को झटका विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, महामारी के बाद पाकिस्तान की मजबूत रिकवरी वित्त वर्ष 2023 में बड़े संचित आर्थिक असंतुलन के कारण रुक गई, जिसके परिणामस्वरूप समायोजन नीति को वापस लेने में देरी हुई और घरेलू और बाहरी आर्थिक झटकों से देश जूझने लगा। इसके अलावा पाकिस्तान में वैश्विक कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी, वैश्विक मौद्रिक सख्ती, हालिया विनाशकारी बाढ़ और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितता के बीच घरेलू कीमतों, बाहरी और राजकोषीय संतुलन, विनिमय दर और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव भी बढ़ गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वेतन और नौकरी की गुणवत्ता में गिरावट के साथ-साथ उच्च मुद्रास्फीति के कारण गरीबी बढ़ी है, जिससे विशेष रूप से गरीबों की क्रय शक्ति कम हो गई है। जनता से किए थे ये वादे 2024 के आम चुनावों से पहले, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ ने शनिवार को पार्टी के चुनाव घोषणापत्र का अनावरण किया। गौरतलब है कि सत्ता में आने पर नवाज की पार्टी ने जनता को सस्ती बिजली के साथ-साथ तेजी से विकास मुहैया कराने का वादा किया था। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, घोषणापत्र के वादों में बिजली बिल में 20 से 30 फीसदी की कटौती भी शामिल है।

गरीबों के पक्के घर का सपना होगा पूरा

केंद्र सरकार ला सकती है नई आवास योजना, चुनाव से पहले हो सकता है ऐलान

नेशनल डेस्क- सरकार द्वारा 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी के लिए लोन पर सब्सिडी योजना की तर्ज पर शहरी गरीबों के लिए नई किफायती आवास योजना लाने जा रही है। मामले की जानकारी रखने वाले तीन व्यक्तियों ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि इस योजना के तहत शहरों और उनके आसपास के इलाकों के निम्न एवं मध्यम आय वाले परिवारों को मकानों के लिए सब्सिडी दी जाएगी। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने प्रस्तावित लोन सब्सिडी योजना की बारीकियां तैयार करने के लिए देश के कुछ शीर्ष लोन दाताओं के साथ बैठकें की हैं। इन बैठकों में शामिल अधिकारियों के मुताबिक मंत्रालय ने संकेत दिया है कि योजना के तहत सब्सिडी का हिस्सा पिछली बार की तरह अधिक नहीं होगा। सरकार ने यह भी पूछा है कि इस योजना के लिए लोन दाताओं को कितनी रीफाइनैंसिंग की जरूरत होगी, लोन दाताओं को किस दर पर रकम दी जानी चाहिए और कर्ज लेने वालों के लिए ब्याज दर क्या रहेगी ? एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, मंत्रालय के अधिकारी जानना चाहते थे कि लोन दाताओं को कितने ब्याज पर कर्ज दिया जाना चाहिए? वे यह भी जानना चाहते थे कि आवेदकों को लोन दाता कितने ब्याज पर कर्ज देंगे? उन्होंने कहा कि योजना गरीबों के लिए है, इसलिए लेंडर्स को ऊंचा मुनाफा नहीं लेना चाहिए।% पिछली बार लोन सब्सिडी योजना में 20 साल के लिए कर्ज लेने वाले हर लाभार्थी को 2.30 लाख रुपये से 2.67 लाख रुपये तक सब्सिडी दी गई थी। घटनाक्रम के जानकार एक अन्य शख्स ने बताया, प्रस्तावित योजना मुख्य रूप से शहरों और उसके आसपास के इलाकों के लिए होगी। पिछली बार लोन सब्सिडी योजना में 20,000 से अधिक जगहें शामिल थीं। सूत्र ने कहा, कृषि, सूक्ष्म एवं मझोले उपक्रम तथा निर्माण देश में सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करते हैं। बड़ी संख्या में उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर आवास क्षेत्र पर निर्भर हैं। नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख योजनाओं में शुमार प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी जून 2015 में शुरू हुई थी। राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय नोडल एजेंसियों के जरिये इस योजना के तहत देश के शहरी इलाकों के पात्र लाभार्थियों को पक्का मकान मुहैया कराने का लक्ष्य है। अगस्त 2022 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 31 मार्च, 2022 तक मंजूर किए गए मकानों के निर्माण के वास्ते प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी को 31 मार्च, 2024 तक जारी रखने की इजाजत दे दी थी। मगर लोन सब्सिडी योजना जारी रखने की अनुमति नहीं दी गई। प्रस्तावित योजना की घोषणा आम चुनावों से पहले की जा सकती है। मौजूदा प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी में लोन सब्सिडी योजना पर ब्याज दर में 3 से 6.5 फीसदी छूट का प्रावधान था। 3 लाख रुपये सालाना आय वाले आ र्थिक रूप से कमजोर वर्ग और 3 से 6 लाख रुपये सालाना पारिवारिक आय वाले निम्न आय वर्ग के लोगों को सालाना 6.5 फीसदी ब्याज सब्सिडी मिलती थी। मध्य आय वर्ग-1 (6 से 12 लाख रुपये सालाना आय) को 3 फीसदी और मध्य आय वर्ग-2 (12 से 18 लाख रुपये सालाना आय) को 3 फीसदी ब्याज स ब्सिडी दी जाती थी। मगर लोन की अधिकतम अवधि 20 साल रखी गई थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569